Bakson Homoeopathic Medical College & Hospital
बैक्सन होम्योपैथिक मैडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल

डॉ. बी.आर. अम्बेडकर यूनिवर्सिटी, आगरा (उ.प्र.) से संबद्ध
सी.सी.एच., भारत सरकार से मान्यताप्राप्त
(NABH मान्यताप्राप्त संस्थान)

- *ग्रेटर नोएडा के हरे–भरे संस्थानिक क्षेत्र में स्थित*
- *प्रस्तावित पाठ्यक्रम – बी.एच.एम.एस. और एम.डी.*
- *सुसज्जित, विशाल वातानुकूलित कक्षाएँ*
- *अनुभवी प्राध्यापक*
- *श्रव्य–दृश्य सुविधाओं से युक्त लेक्चर थिएटर*
- *उत्कृष्ट स्तर की प्रयोगशालाएँ*
- *समृद्ध और संसाधनयुक्त पुस्तकालय*
- *सही रखरखाव वाले इन हाउस और पेरीफेरल ओपीडी एवं अस्पताल*
- *नियुक्ति की सुविधा देने वाला एकमात्र संस्थान*
- *होस्टल और परिवहन सुविधाएँ उपलब्ध*

कॉलेज कैम्पस : प्लॉट नं. 36 बी, नॉलेज पार्क, फेज–1,
ग्रेटर नोएडा (उ.प्र.)–201306, फोनः 0120 - 2321369/70
फैक्सः 2321375. ई–मेलः college@bakson.net

Dr. Bakshi's
BAKSON'S
HOMOEOPATHY

#बी 1-71
ड्रॉप्स & टेबलेट्स

विश्वसनीय दवाईयाँ
आपके सभी रोगों के लिए!

www.buybakson.com

बैक्सन के प्रेरणा–पुरुष

डॉ. एस.पी.एस. बक्शी

- भूतपूर्व प्रेज़िडेंट, होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इंडिया।
- भूतपूर्व प्रेज़िडेंट सेंट्रल काउन्सिल ऑफ होम्योपैथी, भारत सरकार।
- अध्यक्ष, बैक्सन होम्योपैथिक चिकित्सालय।
- 49 वर्षों से ज़्यादा का अनुभव।
- 15 लाख से ज़्यादा खुशहाल रोगी।
- सीएमडी, बैक्सन ड्रग्स एंड फार्मास्यूटिकल्स प्रा. लि.
- संस्थापक अध्यक्ष, बैक्सन होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज।
- 125 से ज़्यादा पुरस्कारों/सम्मानों से सम्मानित।

डॉ. सतिंदर पाल सिंह बक्शी, जोकि नेहरु होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली के पूर्व छात्र हैं, को हमारे देश में होम्योपैथी को एक शक्तिशाली वैकल्पिक, प्रभावी और स्थायी चिकित्सकीय पद्धति के तौर पर विस्तारित करने के लिए जाना जाता है। उनकी पेशेवर प्रतिष्ठा को काफी मान्यता मिली और वे सिर्फ 39 वर्ष की आयु में ही केंद्रीय होम्योपैथी परिषद के अध्यक्ष बना दिये गये।

उनके मार्गदर्शन में भारत में होम्योपैथी शिक्षा ने असाधारण परिवर्तन और कई गुना वृद्धि होते हुई देखी है। भारत में होम्योपैथी शिक्षा का सुव्यवस्थित प्रबंधन करने और होम्योपैथी प्रैक्टिशनर्स (पेशेवर शिष्टाचार, आचरण व आचार संहिता) के विनियमों में संशोधन करके होम्योपैथी प्रैक्टिस में गुणवत्ता और जवाबदेही की अवधारणा आरंभ करने में उनकी महती भूमिका थी।

डॉ. एस.पी.एस. बक्शी बैक्सन ड्रग्स एंड फार्मास्यूटिकल्स प्रा. लि. के संस्थापक अध्यक्ष हैं, जोकि अग्रणी होम्योपैथिक औषधि निर्माता व मार्केटिंग कंपनी है। एलर्जी संबंधी विकारों के लिए विख्यात बैक्सन के होम्योपैथी क्लिनिकों की राष्ट्रव्यापी श्रृंखला स्थापित करने की उपलब्धि भी डॉ. बक्शी के नाम दर्ज है। उन्होंने 49 वर्ष से अधिक के अपने पेशेवर कैरियर में दस लाख से ज्यादा रोगियों का उपचार किया है।

इसके अतिरिक्त, डॉ. एस.पी.एस. बक्शी ने ग्रेटर नौएडा के नॉलेज पार्क के हरे–भरे वातावरण में फैले हुए कैंपस वाले एक विख्यात संस्थान, बैक्सन होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज की भी स्थापना की है। यह होम्योपैथी के क्षेत्र में नए डॉक्टरों को स्नातक व स्नातकोत्तर स्तर पर डिग्री प्रदान करता है।

विषय सूची

होम्योपैथी के लाभ	1
होम्योपैथी की शक्ति	2
बैक्सन में शोध	2
होम्योपैथी के बारे में मिथक	3
बी–ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स विविध प्रकार की शिकायतों के लिए	5
बी–ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स मांसपेशी व अस्थिपिंजर संबंधी शिकायतों के लिए	14
बी–ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स श्वसन संबंधी शिकायतों के लिए	19
बी–ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स त्वचा संबंधी शिकायतों के लिए	26
बी–ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स मूत्र संबंधी शिकायतों के लिए	32
बी–ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स पाचन संबंधी शिकायतों के लिए	36
बी–ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स एंडोक्राइन (हॉर्मोन संबंधी) शिकायतों के लिए	43
बी–ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स स्नायु तंत्र संबंधी शिकायतों के लिए	46
बी–ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स हृदवाहिनी रोग संबंधी शिकायतों के लिए	53
बी–ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स पुरुषों में यौन–रोग संबंधी शिकायतों के लिए	60
बी–ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स महिलाओं में यौन–रोग संबंधी शिकायतों के लिए	62

होम्योपैथी
भविष्योन्मुखी विज्ञान!

होम्योपैथी - एक संवेदनशील उपचार माध्यम

होम्योपैथी (जिसे ग्रीक शब्द होमोइयस यानी समान और पेथोस मतलब पीड़ा से लिया गया है) उपचार करने की कला है। यह एक उत्कृष्ट चिकित्सकीय पद्धति है जो इसके संस्थापक डॉ. क्रिश्चियन फ्रेडरिक सैम्यूएल हैनीमैन द्वारा प्रतिपादित कुछ बुनियादी सिद्धांतों पर काम करती है। एक विज्ञान के तौर पर होम्योपैथी, इसके सूत्रपात होने यानी जर्मनी में 200 से ज़्यादा वर्ष पहले, से लेकर अब तक कई आमूलचूल परिवर्तनों से गुज़र चुकी है। यह अब दुनिया के लगभग हर देश में पहुंच चुकी है। वर्तमान समय में यह बीमार लोगों को फिर से स्वस्थ करने के लिए केवल उपचार करने का व्यापक रूप से स्वीकार्य तरीका ही नहीं है बल्कि ज्यादा सुरक्षित और सौम्य तरीका भी है।

होम्योपैथी के लाभ

होम्योपैथी के ज़रिए कोई व्यक्ति धीरे–धीरे और स्थायी रूप से दीर्घकालिक या जीवन–भर चलने वाली शारीरिक, मनोवैज्ञानिक परेशानियों के साथ–साथ उन बाधाओं को भी दूर कर सकता है जो किसी अन्य उपचारात्मक पद्धति से दूर नहीं हो पाई हैं। इस तरह, होम्योपैथी चिकित्सकीय प्रयास में सिर्फ एक सहायक या स्थानापन्न से कहीं ज्यादा है।

होम्योपैथी उच्च सामर्थ्यवान (Potentised) तत्वों की बेहद छोटी खुराकों की मदद से शरीर द्वारा स्वयं को ठीक करने की शक्ति बढ़ाने का काम करती है। होम्योपैथी की सही औषधि शरीर की स्वाभाविक उपचार प्रवृत्ति को बेहद धीमे–धीमे प्रोत्साहित करती है।

होम्योपैथी अक्सर वहां ज़्यादा प्रभावी होती है, जहां सामान्य प्रैक्टिस बेअसर हो जाती है। मेडिकामेंट (उपचारी तत्व), को यदि कुशलता के साथ लिया जाए, तो यह रोग के बड़े हिस्से को ठीक कर देता है जिसके संपर्क में मानव आता है।

वास्तव में होम्योपैथी में समय की बिल्कुल बर्बादी नहीं होती। बीमारी का लक्षण दिखते ही होम्योपैथिक औषधि का सुझाव देना संभव है, हम उन लक्षणों को प्रूवर (व्यक्ति जिस पर औषधि का परीक्षण किया जाता है) पर किसी औषधि के ज्ञात प्रभाव से

www.buybakson.com

मिलाने में सक्षम होते हैं। औषधि के बारे में संपूर्ण जानकारी और उसकी रोगाणु वृद्धि क्षमता जानने के लिए स्वस्थ मानवों पर होम्योपैथी की सभी दवाओं को प्रमाणित किया जाता है।

औषधि के स्रोत

होम्योपैथिक दवाओं को लेना एकदम सुरक्षित है। किसी भी तत्व का होम्योपैथिक ढंग से इस्तेमाल किया जा सकता है लेकिन इनमें से ज़्यादा दवाईयाँ सब्जियों, पशुओं और अन्य चीज़ों के अलावा खनिज स्रोतों से प्राप्त प्राकृतिक तत्वों से बनाई जाती हैं। लगभग 3000 होम्योपैथिक दवाएं मौजूद हैं। इसके अतिरिक्त, आधुनिकीकरण के नतीजे के तौर पर पैदा हो रही समस्याओं का सामना करने के लिए रोज़ाना नई दवाएं जोड़ी जा रही हैं।

होम्योपैथी की शक्ति

होम्योपैथी के खाते में औषधीय तत्व बनाने का विशिष्ट तरीका और बाद में निदानकारी शक्ति बढ़ाते जबकि अपरिष्कृत औषधीय तत्व को घटाते हुए उनमें सामर्थ्य पैदा करने की उपलब्धि है। यह दुष्प्रभाव होने के अवसर कम करता है और जीवन सिद्धांत को पर्याप्त रूप से उत्प्रेरित करने लायक न्यूनतम खुराक से रोगी को ठीक करता है ताकि यह रोग की शक्ति का प्रतिरोध करे और स्वास्थ्य लौटाए।

बैक्सन में शोध

होम्योपैथी के इन बुनियादी सिद्धांतों को लागू करते हुए और पिछले कई वर्षों में लाखों लोगों के उपचार के बहुमूल्य अनुभव के साथ बैक्सन ने होम्योपैथी की दुनिया में अप्रतिम योगदान दिया है। हमने इस उपचारात्मक पद्धति के पहलुओं पर गहराई से शोध किया है, अपने रोगियों पर होम्योपैथिक दवाओं के प्रभाव का ध्यानपूर्वक निरीक्षण किया और न केवल परेशानी खत्म करने के लिए बल्कि संदेह को कम करने और ज़्यादा शक्तिशाली पीढ़ियाँ निर्मित करने के उद्देश्य से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए कई वर्षों तक निरंतर उनके आगे की कार्यवाही की गयी।

होम्योपैथी सुरक्षित है, इसके दुष्प्रभाव नहीं हैं, यह इसे लेने की आदत न डालने वाली है, संपूर्णता में उपचार करती है और सापेक्षिक रूप से सस्ती है।

कई निदान और उपचारात्मक पद्धतियाँ आई और बिना कोई प्रभाव छोड़े चली गई लेकिन होम्योपैथी समय की परीक्षा पर खरी उतरी है और यही वजह है कि इसे नज़रंदाज़ करना मुश्किल है। यहां तक कि पारंपरिक चिकित्सा में भी, ज़्यादातर उपचार और औषधीय पद्धतियाँ कुछ वर्षों में ही अप्रचलित हो जाती है। जबकि होम्योपैथी विकसित और परिष्कृत हुई है, लेकिन इसे संचालित करने वाले सिद्धांत और शोध आज भी उतने ही महत्वपूर्ण और मूल्यवान हैं जितने कि वे इसके आरंभ होने

www.buybakson.com

के समय थे। यह कई तरह के रोगों को ठीक करने की अतुलनीय प्रभाविता के साथ इस विज्ञान की दृढ़ता को प्रमाणित करता है।

होम्योपैथी के बारे में मिथक

मिथक - होम्योपैथी एक "धीमे काम करने वाली पद्धति" है

दवा का प्रभाव इस पर निर्भर करता है कि क्या रोग तीव्र है या दीर्घकालिक। तीव्र रोग हाल ही में पैदा होते हैं, जैसे ज़ुखाम, बुखार, सिरदर्द जो बेहद तेज़ी से बढ़ते हैं और यदि सही ढंग से चुनी हुई दवा रोगी को दी जाती है, तो ये बेहद तेज़ी से परिणाम देती हैं। दीर्घकालिक रोग वे रोग हैं जिनका लंबा इतिहास है, जैसे श्वसनीशोथ, दमा, दाद, जोड़ों का प्रदाह आदि। ये अन्य चिकित्सकीय प्रणालियों द्वारा निरंतर दबाए जाने के फलस्वरूप होते हैं। इस प्रकार के दीर्घकालिक रोगों के ठीक होने के लिए निश्चित रूप से कुछ समय चाहिए। यह रोग की जटिलता, अवधि और लक्षण दबाए जाने के कारण है कि उपचार में ज़्यादा समय लग जाता है नाकि होम्योपैथी के धीमें प्रभाव के कारण, जो कि अक्सर माना जाता है।

मिथक - होम्योपैथिक दवाएं लेते समय एलोपैथिक या अन्य उपचार नहीं कराए जा सकते

यदि कोई व्यक्ति लंबे समय से जारी एलौपैथिक उपचार, खासतौर पर स्टेरॉयड या ''जीवन–रक्षक औषधियों'' पर है, तो अचानक दवाइयों को रोक देने से उसके लक्षणों का प्रभाव बढ़ सकता है। इसलिए बेहतर तरीका है कि सुधार आरंभ होने पर धीरे–धीरे एलोपैथिक दवाइयों की खुराक कम की जाए और फिर रोक दी जाए।

मिथक - होम्योपैथिक दवाओं के साथ प्याज, लहसुन, चाय, कॉफी, आदि पर पाबंदी होती है

शोधों ने दिखा दिया है कि इन चीज़ों का दवा की प्रभाविता पर कोई असर नहीं पड़ता है यदि इन्हें संयम के साथ इस्तेमाल किया जाए और इनके व दवाओं के बीच पर्याप्त अंतर बनाए रखा जाए। होम्योपैथिक दवाईयाँ आदतन कॉफी पीने और पान खाने वाले रोगियों पर अच्छा काम करती हैं।

मिथक - उपचार लेने के बाद रोग बढ़ता है

प्रत्येक व्यक्ति जानता है कि होम्योपैथिक दवाइयों को लक्षणों की समानता के आधार पर दिया जाता है। दवा का पहला प्रभाव रोगी को उसका रोग बढ़ने के तौर पर महसूस हो सकता है लेकिन वास्तव में यह केवल होम्योपैथिक उद्दीपन (aggravation) है जो कि उपचारात्मक प्रक्रिया का अंग है।

मिथक - होम्योपैथिक दवाओं को छूना नहीं चाहिए

कोई व्यक्ति दूसरे व्यक्ति के हाथ से दवा ले सकता है बशर्ते कि उसके हाथ साफ हों।

www.buybakson.com

मिथक - होम्योपैथी केवल बच्चों के लिए अच्छी है

होम्योपैथिक दवाईयाँ बच्चों और वयस्कों दोनों के लिए समान रूप से अच्छी हैं। यदि बच्चों को शुरुआत से होम्योपैथिक उपचार दिया जाता है, तो यह न केवल रोग को पूरी तरह से खत्म करने में मदद करता है बल्कि उनकी प्रतिरोध क्षमता को बढ़ाता है और रोग को दीर्घकालिक बनने से रोकता है, और इस प्रकार, ज़्यादा शक्तिशाली पीढ़ियों का विकास करता है।

मिथक-होम्योपैथी में रोगविज्ञान संबंधी जांच की ज़रूरत नहीं होती है

हालांकि आरंभिक होम्योपैथिक सुझाव के लिए जांच की ज़रूरत नहीं होती लेकिन रोग को संपूर्णता में ठीक करने और इसके रोगनिदानों को जानने के लिए उपयुक्त जांच कराना आवश्यक होता है। ये मामले का समुचित प्रबंधन करने और इसके फॉलो अप में भी मदद करती हैं।

मिथक - एक दवा ही दी जानी चाहिए

होम्योपैथिक सिद्धांतों के अनुसार एक दवा ही पहला विकल्प होना चाहिए लेकिन रोगी द्वारा प्रस्तुत लक्षणों की जटिल रूपरेखा एक समय में एकसमान (सिमिलिमम) दवा का सुझाव देना कठिन बना देती है। इसलिए, दवाओं का संयोजन देना सामान्य बात हो गई है।

मिथक - सभी होम्योपैथिक दवाईयाँ एक जैसी होती हैं

ऐसा लगता है कि सभी होम्योपैथिक दवाईयाँ एक जैसी हैं क्योंकि उन्हें बूंदों में दिया जाता है। वास्तव में सभी तैयार द्रवों में वाहक समान रहता है लेकिन इसे विभिन्न होम्योपैथिक सामर्थ्यवान घोलों द्वारा चिकित्सकीय रूप दिया जाता है।

मिथक - होम्योपैथी स्वयं पढ़े जाने वाला विज्ञान है

होम्योपैथी एक वैज्ञानिक पद्धति है और कोई ऐसी चीज़ नहीं है जिसे, किताबों से पढ़ा जा सके। होम्योपैथ बनने के लिए किसी व्यक्ति को एक वर्ष की इंटर्नशिप सहित 5½ वर्ष का डिग्री पाठ्यक्रम होम्योपैथी में पूरा करना पड़ता है। पाठ्यक्रम के दौरान, छात्रों को शरीर रचना विज्ञान (एनाटॉमी), शरीर क्रिया विज्ञान (फिज़ियोलॉजी), रोगनिदान विज्ञान (पैथोलॉजी), विधिशास्त्र (ज्यूरिसप्रूडेंस), शल्यचिकित्सा (सर्जरी), चिकित्सा पद्धति (मेडीसिन), स्त्रीरोग विज्ञान (गायनेकॉलॉजी) व प्रसूति–विज्ञान (ऑब्सटेट्रिक्स) पढ़ाया जाता है। कानून के अनुसार मान्यताप्राप्त डिग्री के बिना होम्योपैथी की प्रैक्टिस करना दंडनीय अपराध है। भारत में कई कॉलेज भी कई विषयों में होम्योपैथी, एम.डी. (होम.) की स्नातकोत्तर डिग्री प्रदान करते हैं।

www.buybakson.com

#बी6 ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स (इन्फ्लेमेशन)

होम्योपैथिक शोथ–रोधी

शोथ शारीरिक रचना (आर्गनिज़्म) द्वारा हानिकारक स्टिमुली को हटाने के साथ–साथ ऊतकों में उपचार प्रक्रिया आरंभ करने का रक्षात्मक प्रयास है। हालांकि, गंभीर शोथ कई रोगों का कारण बन सकती है, जैसे ज़ुखाम वाला बुखार (हे फीवर), धमनीकलाकाठिन्य (अथेरोस्क्लेरोसिस) और जोड़ों का गठिया रुप प्रदाह (रह्यूमेटोइड आर्थ्राइटिस)।

संकेतः शरीर के किसी स्थान पर शोथ के लक्षण जैसे लाली, दर्द होना, सूजन जो कि गलकोषप्रदाह, टांसिल का प्रदाह, शिरानालशोथ व गठियों के दर्द की तरह जोड़ों के प्रदाह (आर्थ्राइटिस) में पाये जाते हैं, उनमें राहत देने में मदद करती है।

संघटनः ड्रॉप्स – एपिस मेलिफिका 4x, बराइटा म्यूर. 6x, बेलाडोना 4x, कैल्केरिया आयोड. 4x, हेपर सल्फ. 8x, काली बाइकोम. 4x, मरक्यूरियस कौर. 6x, फाइटोलैका डीकैन्ड्रा 4x

टेबलेट्स – एपिस मेलिफिका 4x, बराइटा म्यूर. 6x, बेलाडोना 4x, कैल्केरिया आयोड. 4x, हेपर सल्फ. 5x, काली बाइकोम. 4x, मरक्यूरियस कौर. 6x, फाइटोलैका डीकैन्ड्रा 4x

खुराकः ड्रॉप्स – तीव्र अवस्थाः 10–15 ड्रॉप्स पानी में घोलकर, 2 घंटे पर, एक दिन में 6 बार लें। **दीर्घकालिक अवस्थाः** खुराक प्रतिदिन दो बार लें। गंभीर होने से बचने के लिए खुराक को घटाकर प्रतिदिन एक बार लें।

टेबलेट्स – वयस्कः 2 टेबलेट्स, 2 घंटे पर एक दिन में 6 बार लें।
बच्चेः 1 टेबलेट प्रत्येक 2 घंटे पर। खुराक को घटाकर एक दिन में 3 बार गंभीर मामलों के लिए लें।

#बी26 ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स (इंजरी)

सभी प्रकार की चोटों को जल्दी ठीक करने के लिए

सामान्य चोटों में घाव, नील, जलना, हड्डी खिसकना, फ्रैक्चर (हड्डी का टूटना), मोच या ऐंठन आना शामिल होता है। घाव एक प्रकार की चोट होती है जिसमें त्वचा फट, कट जाती है या छेद (खुले घाव) वाली, चीर–फाड़ वाली/खरोंच वाली हो जाती है या जहां स्थूल बल वाला संघात गुमटा (बंद घाव) या नील, हीमेटोमा (त्वचा के भीतर रक्त एकत्रित होना) आदि का कारण बनता है।

संकेतः मोच, घाव, खुले घाव (अल्सर) व सेप्सिस (सेप्टिक) सहित चोटों से जुड़े लक्षणों में राहत देने में मदद करती है।

संघटनः ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स – आर्निका मोन. 3x, बेलाडोना 3x, कैलेन्डुला ऑफ. 3x, एचिनेशिया एन. 3x, हैमामेलिस विर. 3x, रस टॉक्सिकोडेन्ड्रॉन 4x, सिम्फाइटम ऑफ. 3x, रूटा ग्रेवि. 3x

खुराकः ड्रॉप्स – 10–15 ड्रॉप्स पानी में घोलकर, 2 घंटे पर, एक दिन में 6 बार लें। सुधार प्रारंभ हो जाने पर खुराक को घटाकर एक दिन में 3 बार लें।

टेबलेट्स – वयस्कः 2 टेबलेट्स, 2 घंटे पर या एक दिन में 6 बार लें।
बच्चेः 1 टेबलेट प्रत्येक 2 घंटे पर। सुधार प्रारंभ हो जाने पर खुराक को घटाकर एक दिन में 3 बार लें।

बेहतर नतीजों के लिए घाव पर पट्टी करने के उद्देश्य से बैक्सन कैलेन्डुला मरहम व मोच के लिए रूटा मरहम लगाएं।

#बी28 ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स (वेट)

मोटापे से लड़ें और स्वस्थ रहें

अधिक वजन होने को आमतौर पर स्वास्थ्य के लिए हितकर चर्बी की तुलना में अधिक चर्बी होने के तौर पर परिभाषित किया जाता है। अधिक वजन को 25 या अधिक के बॉडी मास इंडेक्स (बी.एम.आई.) और मोटापे को 30 या अधिक के बी.एम.आई. के तौर पर परिभाषित किया जाता है। इनसे टाइप 2 डायबिटीज़ (मधुमेह), हृदयधमनी रोग, उच्च रक्तचाप और स्ट्रोक व कुछ प्रकार के कैंसर सहित, दीर्घकालिक बीमारियों का बड़ा जोखिम सामने आता है।

संकेतः थायरॉयड ग्रंथि सहित ग्रंथि संबंधित प्रणाली के गलत ढंग से काम करने की वजह से वजन बढ़ने की प्रवृत्ति को घटाने में मदद करती है।

संघटनः ड्रॉप्स - कैल्केरिया कार्ब. 8x, क्रोटॉन टिग. 4x, फ्यूकस व. 2x, ग्रेफाइट्स 8x, नैट्रम सल्फ. 8x, स्पोन्जिया टोस्टा 3x

टेबलेट्स - कैल्केरिया कार्ब. 4x, क्रोटॉन टिग. 4x, फ्यूकस व. 2x, ग्रेफाइट्स 4x, नैट्रम सल्फ. 2x, स्पोन्जिया टोस्टा 3x

खुराकः ड्रॉप्स -10–15 ड्रॉप्स पानी में घोलकर दिन में 2–3 बार खाना खाने से पहले लें।

टेबलेट्स - 2 टेबलेट्स, एक दिन में 3 बार खाना खाने से पहले लें।

सर्वोत्तम नतीजों के लिए बैक्सन फाइटोलेक्का बेरी गोलियाँ इस्तेमाल करें।

#बी34 ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स (ट्यूमर)

असामान्य वृद्धि से राहत के लिए

असामान्य वृद्धि, सूजन व ट्यूमर सुदम हो सकता हैं या भयंकर क्षति पहुंचाने वाला हो सकता हैं। उनको शरीर के लगभग सभी अंगों में होने के बारे में जाना जाता है जैसे मायोमा, रसौली, मस्से आदि।

संकेतः अनियमित वृद्धि व ग्रंथिल सूजन के लक्षणों से राहत पाने में मदद करती है।

संघटनः ड्रॉप्स - बराइटा कार्ब. 8x, स्क्रोफूलेरिया नोडोसा 2x

टेबलेट्स - बराइटा कार्ब. 6x, स्क्रोफूलेरिया नोडोसा 2x

खुराकः ड्रॉप्स - 10–15 ड्रॉप्स थोड़े पानी में 3 बार प्रतिदिन खाना खाने से पहले लें। अगर असाध्यता का संदेह हो तो 20 ड्रॉप्स थोड़े पानी में एक दिन में 4 बार लें। सुधार दिखाई पड़ने पर ही खुराक धीरे–धीरे कम करें और कुछ महीनों तक दवा जारी रखें।

टेबलेट्स - 2 टेबलेट्स, एक दिन में 3–4 बार खाना खाने से पहले लें।

#बी46 ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स (राइट एब्डोमिनल)

पेट के दायीं ओर दर्द के लिए

पेट में दर्द होना एक सामान्य शिकायत है। पेट के एक ओर का प्रभावित हिस्सा और स्थान अक्सर अंदरूनी कारण मौजूद होने का संकेत देते हैं। लेकिन कई बार दर्द विशेष जगह पर नहीं होता और अक्सर पेट के एक ओर सीमित रहता है। उपयुक्त रोगनिदान होने तक दर्द को कम करना महत्वपूर्ण है।

संकेतः पेट में दायीं ओर दर्द से राहत देने में मदद करती है जो उस ओर अंगों के रोग की वजह से होता है।

संघटनः ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स - एपिस मेल. 4x, आर्सेनिकम एल्ब. 6x, ब्रायोनिया एल्बा 5x, सल्फर 6x

खुराकः ड्रॉप्स - दर्द के स्तर के अनुसार, 10–15 ड्रॉप्स थोड़े गुनगुने पानी में प्रत्येक 15–30 मिनट पर लें। दीर्घकालिक मामलों में 10–15 ड्रॉप्स थोड़े पानी में एक दिन में 3 बार खाना खाने से पहले कम से कम 12–16 सप्ताह तक लें।

टेबलेट्स - दर्द के स्तर के अनुसार, 2 टेबलेट्स प्रत्येक 15–30 मिनट पर लें। दीर्घकालिक मामलों में खुराक एक दिन में 3 बार लें।

इससे संबंधित शिकायतों के लिए कृपया ''पांचन संबंधी शिकायतें'', ''महिलाओं संबंधी शिकायतें'' व ''मूत्र संबंधी शिकायतें'' खंड को देखें।

#बी59 ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स (एनासार्का)

शोफ (इडेमा) व द्रव अवरोधन (फ्लूड रिटेंशन) से राहत देती है

एनासार्का या शोफ शरीर में द्रव का असामान्य रूप से एकत्रित होना है। यह किसी स्थान पर हो सकता है जैसे आंखों के आसपास, टांगों में आदि या शरीर के तंत्र में हो सकता है जब पूरा शरीर प्रभावित होता है। इडेमा कम क्षमता से काम कर रहे हृदय या गुर्दा संबंधी गड़बड़ी का संकेत हो सकता है इसलिए समय पर उपचार करना महत्वपूर्ण है।

संकेतः विभिन्न विकारों से जुड़े द्रव अवरोधन के लक्षणों से राहत देने में और अधिक पेशाब होने (डाइयूरेसिस) में सहायता करती है।

संघटनः ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स - एडोनिस वर. 3x, कौन्वेलेरिया मेज. 3x, क्रेटेगस् ऑक्सी. 3x, डिजिटेलिस पुर. 6x, हैलेबोरस निग. 3x, स्किवला 3x,

खुराकः ड्रॉप्स - तीव्र अवस्था में 20–30 ड्रॉप्स थोड़े पानी में 2 घंटे पर, एक दिन में 6 बार लें। दीर्घकालिक अवस्था में 15–20 ड्रॉप्स थोड़े पानी में 3 बार प्रतिदिन लें।

टेबलेट्स - तीव्र मामलों में 2 टेबलेट्स 2 घंटे पर, एक दिन में 6 बार लें। दीर्घकालिक मामलों में खुराक प्रतिदिन तीन बार लें।

इससे जुड़े हुए हृदयधमनी या गुर्दा संबंधी शिकायतों के लिए कृपया ''हृदयधमनी संबंधी शिकायतें'' व ''मूत्र संबंधी शिकायतें'' खंड को देखें।

अन्य उपलब्ध बी-ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स विविध रोग संबंधी शिकायतों के लिए

#बी18 टीथ ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स

संकेतः दांत आने, पायरिया से जुड़े दर्द से राहत देने में और देर से दांत आने पर, इस प्रक्रिया को आसान करने में सहायता करती है।

संघटनः ड्रॉप्स - एकोनिटम नैप. 4x, ब्रायोनिया एल्बा 4x, कैल्केरिया कार्ब. 8x, कैमोमिला 4x, कोलोसिन्थिस 4x, इगनिशिया अमारा 4x, स्टेफिसेगरिया 4x

टेबलेट्स - एकोनिटम नैप. 4x, ब्रायोनिया एल्बा 4x, कैल्केरिया कार्ब. 4x, कैमोमिला 4x, कोलोसिन्थिस 4x, इगनिशिया अमारा 4x, स्टेफिसेगरिया 4x

खुराकः ड्रॉप्स - 10-15 ड्रॉप्स पानी में घोलकर एक दिन में 3 बार लें।

टेबलेट्स - वयस्कः 2 टेबलेट्स एक दिन में 3 बार लें। **बच्चेः** 1 टेबलेट एक दिन में 3 बार लें।

#बी41 वाइटैलिटी ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स

संकेतः दिल की घड़कन बढ़ने, सामान्य थकावट, चक्कर आने व हाथ-पैर के थकने के लक्षणों में राहत देने में सहायता करती है। शक्ति समाप्त हो चुके, थके-मांदे व कमज़ोर व्यक्तियों में खोया हुआ पौरुष व शक्ति वापस पाने में मदद करती है।

संघटनः ड्रॉप्स - एसिडम् नाइट. 6x, एसिडम् फॉस. 3x, कैल्केरिया आयोड. 3x, फेरम आयोड. 8x

टेबलेट्स - एसिडम् नाइट. 6x, एसिडम् फॉस. 3x, कैल्केरिया आयोड. 3x, फेरम आयोड. 6x

खुराकः ड्रॉप्स - 10-15 ड्रॉप्स थोड़े पानी में 2-3 बार प्रतिदिन ली जाए। सुधार दिखने पर 10-15 ड्रॉप्स की अनुरक्षण खुराक प्रतिदिन एक बार कम से कम 12-16 सप्ताह तक ली जाए।

टेबलेट्स - 2 टेबलेट्स, एक दिन में 2-3 बार लें।

अनुरक्षण खुराकः 1 टेबलेट एक दिन में दो बार 12-16 सप्ताह तक लें।

#बी42 हिमैटिनिक ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स

संकेतः रक्त कोशिकाओं के उपयुक्त निर्माण व रक्त संचार में सहायता करती है।

संघटनः ड्रॉप्स - कार्डस मैर. 6x, आर्सेनिकम आयोड. 8x, सियानोथस अमेर. 6x, फेरम म्यूर. (फेरम क्लोर.) 6x, लाइकोपोडियम् क्लेव. 6x, सल्फर 6x

टेबलेट्स - कार्डस मैर. 6x, आर्सेनिकम आयोड. 6x, सियानोथस अमेर. 6x, फेरम म्यूर. (फैरम क्लोर.) 6x, लाइकोपोडियम् क्लेव. 6x, सल्फर 6x

खुराकः ड्रॉप्स - भोजन से पहले दिन में 3 बार, थोड़े पानी में 10-15 बूंदें लें। स्पष्ट खून की कमी (एनीमिया) की स्थिति में दिन में 4-6 बार 10-15 बूंदें लें।

टेबलेट्स - 2 टेबलेट्स, एक दिन में 3 बार खाना खाने से पहले लें। स्पष्ट एनीमिया होने पर एक दिन में 4-6 बार ली जाए।

#बी47 लेफ्ट एब्डोमिनल ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स

संकेतः पेट में बांयी ओर दर्द से राहत देने में सहायता करती है जो उस ओर अंगों के रोग की वजह से होता है।

संघटनः ड्रॉप्स - लैकेसिस 20x, लाइकोपोडियम क्लेव. 3x, पैलेडियम मेट. 12x, पिम्पिनेला सेक्सीफ्रेगा 12x

टेबलेट्स- लैकेसिस 8x, लाइकोपोडियम क्लेव. 3x, पैलेडियम मेट. 6x, पिम्पिनेला सेक्सीफ्रेगा 3x

खुराकः ड्रॉप्स - दर्द के स्तर के अनुसार, 10-15 ड्रॉप्स थोड़े गुनगुने पानी में प्रत्येक 15-30 मिनट पर लें। दीर्घकालिक मामलों में 10-15 ड्रॉप्स थोड़े पानी में एक दिन में 3 बार खाना खाने से पहले कम से कम 12-16 सप्ताह तक ली जाए।

टेबलेट्स - दर्द के स्तर के अनुसार, 2 टेबलेट्स प्रत्येक 15-30 मिनट पर लें। दीर्घकालिक मामलों में खुराक एक दिन में 3 बार लें।

#बी60 इन्फ्लेम्ड म्यूकोज़ा ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स

संकेतः आँखों में शोथ, रोशनी से डर लगने, त्वचा में छपाकी के साथ श्लेष्मा झिल्ली में शोथ व ज़ुखाम संबंधी रोग से राहत देने में सहायता करती है।

संघटनः ड्रॉप्स - लेम्ना माइनर 3x, बेलाडोना 3x, फेरम फॉस. 8x, मरक्युरियस

सोल. 20x, पल्साटिला नाइग. 3x

टेबलेट्स - लेम्ना माइनर 3x, बेलाडोना 3x, फेरम फॉस. 3x, मरक्युरियस सोल. 6x, पल्साटिला नाइग. 3x

खुराकः ड्रॉप्स - 8–10 ड्रॉप्स पानी में 3–4 बार प्रतिदिन दी जाए। बच्चों के लिए 3–5 ड्रॉप्स थोड़े पानी में अनुशंसित है। तीव्र मामलों में खुराक 2 घंटे पर, एक दिन में 6 बार लें।

टेबलेट्स - वयस्कः 2 टेबलेट्स 3–4 बार प्रतिदिन लें। **बच्चेः** 1 टेबलेट 3–4 बार प्रतिदिन लें। गंभीर मामलों में खुराक प्रत्येक 2 घंटे पर एक दिन में 6 बार लें।

www.buybakson.com

#बी।। ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स (पेन)

होम्योपैथिक दर्दनाशक दवा से दर्द में राहत

मांसपेशियों व जोड़ों में दर्द अक्सर व्यायाम या शारीरिक मेहनत वाले काम से पैदा तनाव, अधिक काम लेने या चोट लगने से जुड़ा होता हैं। इन स्थितियों में, दर्द खास मांसपेशियों या जोड़ों में प्रभाव डालता है और गतिविधि करने के दौरान या बाद में शुरू हो जाता है।

संकेतः मांसपेशियों, हड्डियों व जोड़ों में विदीर्णकारी (प्रचण्ड), खिंचाव वाला दर्द, पीठ व गर्दन में दर्द व अकड़न, टांगों में नीचे तक सुन्नपन से राहत देने में मदद करती है। तीव्र व दीर्घकालिक माएलजिया (मांसपेशियों का दर्द), लम्बैगो (कमरदर्द), स्पांडिलोसिस व गठिया संबंधी विकारों से जुड़े दर्द से राहत देती है।

संघटनः ड्रॉप्स - बरबैरिस वल. 3x, कैल्केरिया फॉस. 8x, कॉस्टिकम् हैन. 3x, रोडोडेन्ड्रोन् क्राइस. 3x, रस टॉक्सिडेन्ड्रॅन 3x

टेबलेट्स - बरबैरिस वल. 3x, कैल्केरिया फॉस. 4x, कॉस्टिकम् हैन. 3x, रोडोडेन्ड्रोन् क्राइस. 3x, रस टॉक्सिडेन्ड्रॅन 3x

खुराकः ड्रॉप्स - तीव्र मामलों में 10 ड्रॉप्स थोड़े पानी में एक दिन में 3 बार लें। सुधार दिखने पर खुराक घटा दें। दीर्घकालिक मामलों में 10 ड्रॉप्स थोड़े पानी में 2 बार प्रतिदिन खाना खाने से पहले कम से कम 12–16 सप्ताह तक ली जाए।

टेबलेट्स - वयस्कः 2 टेबलेट्स, 2 घंटे पर लें। **बच्चेः** 1 टेबलेट 2 घंटे पर लें। दर्द में राहत मिलने पर खुराक घटाकर एक दिन में 2–3 बार ली जाए।

अनुरक्षण खुराकः 1 टेबलेट एक दिन में दो बार लें। दीर्घकालिक मामलों के लिए 2 टेबलेट्स एक दिन में दो बार कम से कम 12–16 सप्ताह तक ली जाए।

बेहतर नतीजों के लिए #B11 के साथ रब्लूम एड गोलियों का प्रयोग
दिन में 2 बार करें और रब्लूम एड जेल को दर्द वाली जगह पर लगाएं।

www.buybakson.com

#बी17 ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स (बोन्स)

स्वस्थ हड्डियों व मज़बूत शरीर के लिए

दोनों, बच्चों (रिकेट्स–हड्डियों के टेढ़ेपन की वजह से) और वयस्कों (ओस्टियोपोरोसिस–अस्थि सुषिरता की वजह से) में हड्डियों के नरम होने से संभावित रूप से फ्रैक्चर व आकार बिगड़ने वाली गड़बड़ी पैदा होती है। इससे हड्डियों में दर्द और नरमपन व मांसपेशियों में कमज़ोरी भी आती है।

संकेतः हड्डियों को मज़बूत बनाने और जोड़ों में सूजन (आर्थ्राइटिस) आने पर होने वाले दर्द से राहत देने के अलावा बच्चों में स्वस्थ हड्डियों के निर्माण में मदद करती है।

संघटनः ड्रॉप्स – कैल्केरिया फ्लोर. 8x, कैल्केरिया फॉस. 8x, कैमोमिला 5x, फाइटोलेक्का डीकैन्ड्रा 5x, हेक्ला लावा 8x, मरक्यूरियस प्रिसिपिटैटस रुबर 8x, यूपेटोरियम पर्फ. 3x, साइलीशिया 8x

टेबलेट्स – कैल्केरिया फ्लोर. 5x, कैल्केरिया फॉस. 5x, कैमोमिला 5x, फाइटोलेक्का डीकैन्ड्रा 5x, हेक्ला लावा 5x, मरक्यूरियस प्रिसिपिटैटस रुबर 6x, यूपेटोरियम पर्फ. 3x, साइलीशिया 6x

खुराकः ड्रॉप्स –10–15 ड्रॉप्स पानी में घोलकर एक दिन में 1–2 बार लें।
टेबलेट्स – 2 टेबलेट्स, एक दिन में 1–2 बार लें।

बेहतर नतीजों के लिए #बी17 के साथ
बैक्सन कैल्सी एड गोलियों का प्रयोग दिन में 2 बार करें।

#बी52 ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स (आर्थ्रैल्जिया)

जोड़ों के दर्द से लड़ें व गतिशील रहें

आर्थ्रैल्जिया का शाब्दिक अर्थ है जोड़ों का दर्द; यह चोट, संक्रमण, बीमारी (खास जोड़ो के प्रदाह में) या दवाओं से एलर्जी प्रतिक्रिया का लक्षण है।

संकेतः जोड़ों के अन्य रोगों के लक्षणों के अलावा मांसपेशियों व हड्डियों के खासतौर पर गर्दन व पीठ के गठियों के दर्द से राहत देने में मदद करती है।

संघटनः ड्रॉप्स – फेरम फॉस. 8x, लिथियम कार्ब. 8x, नैट्रम सल्फ. 8x, नक्स वोमीका 4x, रोडोडेन्ड्रोन क्राइस. 4x

टेबलेट्स – फेरम फॉस. 4x, लिथियम कार्ब. 4x, नैट्रम सल्फ. 3x, नक्स वोमीका 4x, रोडोडेन्ड्रोन क्राइस. 4x

खुराकः ड्रॉप्स – 10–15 ड्रॉप्स थोड़े पानी में 2–3 बार प्रतिदिन खाना खाने से पहले कम से कम 12–16 सप्ताह तक ली जाए। तीव्र मामलों में खुराक 2 घंटे पर, एक दिन में 6 बार लें।

टेबलेट्स – 2 टेबलेट्स, 2–3 बार प्रतिदिन खाना खाने से पहले 12–16 सप्ताह तक ली जाए। तीव्र मामलों में खुराक प्रत्येक 2 घंटे पर दोहराएं। दीर्घकालिक मामलों के लिए इम्यूनिटी बनाने के लिए अपेक्षाकृत लंबी अवधि तक दवा लें।

बेहतर नतीजों के लिए बैक्सन रह्यूम एड जेल का
दर्द वाली जगह पर इस्तेमाल करें।

#बी69 ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स (शियाटिका)

शियाटिका की वजह से टांगों में दर्द को आराम देती है

शियाटिका वह दर्द है जो शियाटिक नस के घिड़ने की वजह से होता है। शियाटिका का दर्द खासतौर पर निचली पीठ से लेकर कूल्हे के पीछे महसूस होता है और घुटने के नीचे तक फैलता है। यह जलने का अहसास, सुन्नपन या झनझनाहट भी पैदा करता है। हालांकि शियाटिका सबसे सामान्य तौर पर डिस्क बहिःसरण (खिसकने) का नतीजा है, इस नस में पीड़ा या शोध का कोई कारण शियाटिका के लक्षण फिर से पैदा कर सकता है।

संकेतः शियाटिक नस के दबने की वजह से टांगों में कुछ रेंगने का अहसास, दर्द व कमज़ोरी, अपसंवेदन, ऐंठन जैसा मांसपेशी तनाव, अत्यधिक दर्द से राहत देने में मदद करती है।

संघटनः ड्रॉप्स - एकोनिटम नैप. 3x, आर्सेनिकम एल्ब. 6x, कोलोसिन्थिस 3x, नफेलियम पॉली. 3x, मैग्नीशियम फॉस. 8x

टेबलेट्स - एकोनिटम नैप. 3x, आर्सेनिकम एल्ब. 6x, कोलोसिन्थिस 3x, नफेलियम पॉली. 3x, मैग्नीशियम फॉस. 3x

खुराकः ड्रॉप्स - 10-15 ड्रॉप्स थोड़े पानी में 2-3 बार प्रतिदिन खाना खाने से पहले कम से कम 12-16 सप्ताह तक ली जाए। तीव्र मामलों में खुराक 2 घंटे पर, एक दिन में 6 बार लें।

टेबलेट्स - 2 टेबलेट्स एक दिन में 3 बार खाना खाने से पहले लें। सुधार होने पर खुराक एक दिन में दो बार लें। तीव्र मामलों में प्रत्येक 2 घंटे पर खुराक लें, एक दिन में 6 बार लें।

#बी71 ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स (आर्थ्रोपैथी)

जोड़ों के प्रदाह में राहत देती है और आकार बिगड़ने से रोकती है

जोड़ों के प्रदाह (आर्थ्राइटिस) कुछ स्थितियों का योग है जिसमें शरीर के जोड़ों का नुकसान शामिल होता है। अस्थिसंधिशोथ (ओस्टियोआर्थ्राइटिस) जोड़ों में चोट लगना, जोड़ों के संक्रमण व आयु बढ़ने का नतीजा है। अन्य रूप, जोड़ों के गठिया रूप प्रदाह (रह्यूमेटोइड आर्थ्राइटिस), सोरिएटिक आर्थ्राइटिस व सेप्टिक आर्थ्राइटिस (जोड़ों के संक्रमण से होने वाले) होते हैं। सामान्य शिकायत शुरू में दर्द होना लेकिन बीमारी बढ़ने पर अशक्त करने वाला हड्डियों का बिगड़ा आकार हो सकता है।

संकेतः जोड़ों के शोथ सम्बंधी व अपकर्षक (जोड़ों में टूट-फूट पैदा करने वाले) विकार (आर्थ्राइटिस) से जुड़े दर्दयुक्त, सूजे हुए और अकड़े हुए जोड़ों के लक्षणों से राहत देने में मदद करती है।

संघटनः ड्रॉप्स - एसिडम् सल्फ. 6x, आरजेन्टम मैट. 8x, आर्निका मोन्ट. 4x, ब्रायोनिया एल्बा 4x, कॉस्टिकम हैन. 6x, लेडम पाल. 3x

टेबलेट्स - एसिडम् सल्फ. 6x, आरजेन्टम मैट. 6x, आर्निका मोन्ट. 4x, ब्रायोनिया एल्बा 4x, कॉस्टिकम हैन. 6x, लेडम पाल. 3x

खुराकः ड्रॉप्स - 10-15 ड्रॉप्स थोड़े पानी में 3 बार प्रतिदिन खाना खाने से पहले कम से कम 12-16 सप्ताह तक ली जाए। तीव्र मामलों में खुराक 2 घंटे पर, एक दिन में 6 बार लें।

टेबलेट्स - 2 टेबलेट्स एक दिन में 2-3 बार खाना खाने से पहले लें। तीव्र मामलों में खुराक प्रत्येक 2 घंटे पर एक दिन में 6 बार लें।

दर्द से तत्काल राहत पाने के लिए बैक्सन रस टॉक्स मरहम को दर्द वाली जगह पर लगाएं।

#बी I ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स (इन्फ्लूएंज़ा एण्ड फीवर)

फ़्लू व बुखार से ठीक होने में लाभदायक है

इन्फ्लूएंजा को अक्सर अन्य ऐसी बीमारियों खासतौर पर सामान्य ज़ुखाम जैसा मानने का भ्रम किया जाता है, जबकि इन्फ्लूएंजा सामान्य ज़ुखाम की तुलना में ज़्यादा गंभीर बीमारी है। विशेषतौर पर, इन्फ्लूएंजा बलगम या छींक द्वारा हवा के ज़रिए फैलता है। गले में दर्द, बुखार व खांसी सबसे सामान्य लक्षण हैं।

संकेतः अस्वस्थता, थकान, शरीर दर्द में राहत देने के अलावा ऊपरी श्वसन मार्ग के संक्रमण से जुड़े बुखार, स्रावयुक्त खांसी, छींकना, गले में दर्द में राहत देने में मदद करती है।

संघटनः ड्रॉप्स - बैप्टिसिया 3x, ब्रायोनिया एल्बा 3x, कॉस्टिकम हैन. 3x, यूक्लिप्टस ग्ल. 3x, यूपेटोरियम पर्फ. 3x, फेरम फॉस. 8x, जेलसिम्यिम सेम्प. 3x, सेबाडिला 3x

टेबलेट्स - बैप्टिसिया 3x, ब्रायोनिया एल्बा 3x, कॉस्टिकम हैन. 3x, यूक्लिप्टस ग्ल. 3x, यूपेटोरियम पर्फ. 3x, फेरम फॉस. 4x, जेलसिम्यिम सेम्प. 3x, सेबाडिला 3x

खुराकः ड्रॉप्स - 10–15 ड्रॉप्स पानी में घोलकर प्रत्येक 15 मिनट से 2 घंटे पर लें।

टेबलेट्स - 2 टेबलेट्स प्रत्येक 2 घंटे पर लें।

#बी22 ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स (साइनस)

ज़ुखाम व साइनस समस्या का सामना करे

शिरानालशोथ (साइन्यूसाइटिस) परानासिक साइनस के तीव्र व दीर्घकालिक शोथ की वजह से होने वाली सामान्य समस्या है। यह अस्वस्थता, हल्के बुखार, सिरदर्द, आंखों के पिछले हिस्से में दर्द और नाक से स्राव निकलने के रुप में प्रस्तुत होता है। शोथयुक्त साइनस के ऊपर वाला चेहरे का हिस्सा कुछ मामलों में सूजा हुआ लग सकता है।

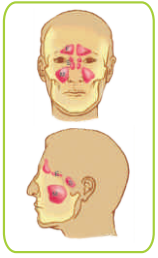

संकेतः नाक से गाढ़े/पानी जैसे स्राव निकलने, बार–बार छींक आने, नाक बंद होने, शिरानालशोथ में खासतौर पर होने वाले सिरदर्द और फलस्वरूप सूंघने की अक्षमता से राहत देने में मदद करती है।

संघटनः ड्रॉप्स - आर्सेनिकम एल्ब. 6x, कैल्केरिया कार्ब. 8x, हाईड्रस्टिस केन. 3x, काली बाइक्रोमिकम 4x, पल्साटिला नाइग. 3x

टेबलेट्स - आर्सेनिकम एल्ब. 6x, कैल्केरिया कार्ब. 4x, हाईड्रस्टिस केन. 3x, काली बाइक्रोमिकम 4x, पल्साटिला नाइग. 3x

खुराकः ड्रॉप्स - 10 ड्रॉप्स गुनगुने पानी में एक दिन में 3 बार लें। तीव्र मामलों में 10–15 ड्रॉप्स गुनगुने पानी में, 2 घंटे पर, एक दिन में 6 बार लें।

टेबलेट्स - वयस्कः 2 टेबलेट्स एक दिन में तीन बार। **बच्चेः** 1 टेबलेट एक दिन में तीन बार लें। तीव्र मामले में खुराक प्रत्येक 2 घंटे पर, एक दिन में 6 बार लें।

बेहतर नतीजों के लिए #बी22 के साथ बैक्सन ऐलर एड गोलियाँ दिन में 2 बार लें।

#बी33 ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स (कॉफ)

खांसी को नियंत्रित कर, गले को आराम पहुंचाती है

खांसी अचानक या अक्सर बार–बार होने वाला रिफलैक्स है जो फेफड़ों के रास्ते को स्रावों, क्षोभक (इरीटेंट्स), बाहर के तत्वों और सूक्ष्मजीवों से साफ करती है। ज़्यादातर खांसी श्वसन तंत्र के संक्रमण, दम घुटना, धूम्रपान, वायु प्रदूषण, दमा, गेस्ट्रोएसोफेजियल रिफलक्स रोग, पोस्ट–नेसल ड्रिप, दीर्घकालिक श्वसनीशोथ (ब्रोंकाइटिस) या दिल के रोगों की वजह से होती है।

संकेतः नासिका प्रदाह, टांसिल का प्रदाह, स्वरयंत्रशोथ, गलकोष प्रदाह, श्वसनीशोथ व श्वासदमा से जुड़ी, बलगम के साथ या बिना लगातार होने वाली/अनियमित/सांस रोकने वाली खांसी से राहत देने में प्रभावी।

संघटनः ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स – बेलाडोना 3x, ब्रायोनिया एल्बा 3x, क्यूप्रम एस. 4x, ड्रोसेरा रोट. 3x, इपिकाकुह्याना. 3x, रह्यूमेक्स क्रि. 3x, स्पोन्जिया ट. 3x, स्कवीला 3x, थाइमस सर्प. Ø

खुराकः ड्रॉप्स – 10–15 ड्रॉप्स गुनगुने पानी में प्रत्येक 2–3 घंटे पर लें। बहुत तीव्र मामलों में खुराक प्रत्येक 1–2 घंटे पर लेनी चाहिए।

टेबलेट्स – **वयस्कः** 2 टेबलेट्स प्रत्येक 2–3 घंटे पर लें। **बच्चेः** 1 टेबलेट प्रत्येक 2–3 घंटे पर लें। तीव्र मामलों में अधिक बार लें। दीर्घकालिक खाँसी में, इम्यूनिटी बनाने के लिए अपेक्षाकृत लंबी अवधि तक लें।

श्वसनीशोथ और दमा में बेहतर नतीजों के लिए #बी33 के साथ बैक्सन आस्था एड गोलियाँ दिन में 2 बार लें।

#बी49 ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स (आस्था)

सांस लेना आसान करने वाली दवा

दमा श्वसनमार्ग का एक सामान्य दीर्घकालिक विकार है जिसे सांस आने–जाने में बाधा, श्वसनी आकर्ष व अप्रत्यक्ष शोथ के परिवर्तनीय व बार–बार होने वाले लक्षणों से पहचाना जाता है। दमा का हमला शुरू करने वाले कई कारण हैं जैसे पराग, धूल, कण, कुछ दवाईयाँ व कुछ खाने की चीज़ें।

संकेतः खासतौर पर रात में होने वाली खांसी, सांस फूलने, छाती जकड़ने, श्वासदमा में पाई जाने वाली सांस की घरघराहट (सांस लेते हुए आवाज़) से राहत देने में मदद करती है।

संघटनः ड्रॉप्स – आर्सेनिकम एल्ब. 6x, बेलाडोना 4x, ब्रायोनिया एल्बा 4x, काली फॉस. 8x, नैट्रम म्यूर. 8x, नैट्रम सल्फ. 8x, वरैट्रम एल्ब. 4x, इरिडिक्टियोन ग्ल. 4x

टेबलेट्स – आर्सेनिकम एल्ब. 6x, बेलाडोना 4x, ब्रायोनिया एल्बा 4x, काली फॉस. 4x, नैट्रम म्यूर. 4x, नैट्रम सल्फ. 4x, वरैट्रम एल्ब. 4x, इरिडिक्टियोन ग्ल. 4x

खुराकः ड्रॉप्स – 10–15 ड्रॉप्स थोड़े पानी में 2–3 बार प्रतिदिन लें। अटैक के दौरान खुराक गुनगुने पानी में प्रत्येक 1/2 घंटे से 2 घंटे पर, गंभीरता के अनुसार दोहराएं।

अनुरक्षण खुराकः एक बार या प्रतिदिन दो बार कम से कम 16–20 सप्ताह तक ली जाए।

टेबलेट्स – 2 टेबलेट्स, 2–3 बार प्रतिदिन लें। अटैक के दौरान खुराक प्रत्येक 1/2– 2 घंटे पर दोहराएं।

श्वास संबंधी शिकायतों के लिए उपलब्ध अन्य बी-ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स

#बी40 प्ल्यूरिसी ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स

संकेतः दम घुटने, खांसी व फेफड़े व उसकी झिल्ली के रोगों में सांस लेने में दिक्कत से जुड़े लक्षणों सहित पसलियों के बीच की जगह में दर्द से राहत देने में मदद करती है।

संघटनः ड्रॉप्स - सिमिसिफ्यूगा रेसि. 3x, कोलोसिन्थिस 3x, काली कार्ब. 8x, नैट्रम सल्फ 8x, रैननक्युलस बल्ब. 3x

टेबलेट्स - सिमिसिफ्यूगा रेसि. 3x, कोलोसिन्थिस 3x, काली. कार्ब. 4x, नैट्रम सल्फ 3x, रैननक्युलस बल्ब. 3x

खुराकः ड्रॉप्स - 10 ड्रॉप्स थोड़े पानी में, 3 बार प्रतिदिन लें। खाँसी का गंभीर अटैक होने पर और सीने में दर्द होने पर 10–15 ड्रॉप्स थोड़े पानी में एक दिन में 4–6 बार ली जाए। सुधार होने पर सामान्य खुराक पर वापसी करें और पूरी रिकवरी पक्की होने तक उपचार जारी रखें।

टेबलेट्स - 2 टेबलेट्स, एक दिन में 3 बार लें। तीव्र मामलों में खुराक एक दिन में 4–6 बार ली जाए।

बेहतर नतीजों के लिए #बी40 के साथ
बैक्सन आस्था एड गोलियाँ दिन में 2 बार लें।

#बी51 लैरिन्जियल ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स

संकेतः गले में दर्द और खांसी जैसे स्वरयंत्रशोथ के अन्य लक्षणों से राहत देने के अतिरिक्त गायकों, अभिनेताओं, अध्यापकों और सार्वजनिक वक्ताओं के गले की गंभीर कर्कशता से राहत देने में मदद करती है।

संघटनः ड्रॉप्स - अर्जेन्टम नाइट. 6x, आर्निका मोन. 4x, कैल्केरिया कार्ब. 8x, फाइटोलाका डीकैन्ड्रा 4x

टेबलेट्स - अर्जेन्टम नाइट. 6x, आर्निका मोन. 4x, कैल्केरिया कार्ब. 4x, फाइटोलाका डीकैन्ड्रा 4x

खुराकः ड्रॉप्स - तीव्र मामलों में: 10–15 ड्रॉप्स की 3 खुराकें प्रत्येक 15 मिनट पर और उसके बाद प्रत्येक 2 घंटे में सुधार होने तक।

दीर्घकालिक मामलों में: 10–15 ड्रॉप्स थोड़े पानी में 3 बार प्रतिदिन खाना खाने से पहले कम से कम 12–16 सप्ताह तक ली जाए।

टेबलेट्स - तीव्र मामलों में: 2 टेबलेट्स, प्रत्येक 2 घंटे पर।

दीर्घकालिक मामलों में: 2 टेबलेट्स 3 बार प्रतिदिन लें।

बेहतर नतीजों के लिए #बी51 के साथ
बैक्सन थ्रोट एड गोलियाँ दिन में 2 बार लें।

#बी54 पल्मोनिक ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स

संकेतः श्वसनीशोथ, श्वासदमा, न्यूमोनिया जैसे फेफड़ों के विकारों से जुड़ी खांसी, सामान्य कमज़ोरी, थकान, कंधों में दर्द व रात में पसीना आने से राहत देने में मदद करती है।

संघटनः ड्रॉप्स - एसिडम् पिक. 6x, ब्रायोनिया एल्ब. 4x, डल्कामारा 4x, फेरम फॉस. 8x, काली कार्ब. 8x, लाइकोपोडियम क्लेव. 4x, सीपिया 20x, साइलीशिया 8x

टेबलेट्स - एसिडम् पिक. 6x, ब्रायोनिया एल्ब. 4x, डल्कामारा 4x, फेरम फॉस. 4x, काली कार्ब. 4x, लाइकोपोडियम क्लेव. 4x, सीपिया 4x, साइलीशिया 4x

खुराकः ड्रॉप्स - 10–15 ड्रॉप्स थोड़े पानी में, 3 बार प्रतिदिन खाना खाने से पहले लें। तीव्र मामलों में वही खुराक 2 घंटे पर, एक दिन में 6 बार लें।

टेबलेट्स - 2 टेबलेट्स, एक दिन में 3 बार खाना खाने से पहले लें। तीव्र मामलों में खुराक प्रत्येक 2 घंटे पर एक दिन में 6 बार लें।

बेहतर नतीजों के लिए #बी54 के साथ
बैक्सन आस्था एड गोलियाँ दिन में 2 बार लें।

#बी58 न्यूमो हिपैटिक ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स

संकेतः फेफड़े व जिगर के विकारों जैसे भूख के अभाव, ठंडेपन के अहसास से जुड़े लक्षणों से राहत देने में मदद करती है।

संघटनः ड्रॉप्स - आर्सेनिकम आयोड. 8x, कैल्केरिया कार्ब. 8x, लाइकोपोडियम क्लेव. 4x, साइलीशिया 8x

टेबलेट्स - आर्सेनिकम आयोड. 6x, कैल्केरिया कार्ब. 4x, लाइकोपोडियम क्लेव. 4x, साइलीशिया 4x

खुराकः ड्रॉप्स - 10-15 ड्रॉप्स थोड़े पानी में, 2-3 बार प्रतिदिन खाना खाने से पहले लें।

टेबलेट्स - 2 टेबलेट्स, 2-3 बार प्रतिदिन खाना खाने से पहले लें।

बेहतर नतीजों के लिए #बी58 के साथ बैक्सन आस्था एड गोलियाँ दिन में 2 बार लें।

#बी23 ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स (स्किन)

स्वस्थ त्वचा के लिए

चर्म रोग कई विभिन्न कारण जैसे एलर्जी, क्षोभक, आनुवंशिक रचना, दैहिक रोग व प्रतिरक्षा तंत्र सम्बंधी समस्याओं से होते है। यह अक्सर खुजली, मुहाँसे, दाद, चकत्ते व छपाकी के रुप में प्रस्तुत होते है। त्वचा की यह समस्याएं असुविधा के साथ-साथ किसी व्यक्ति के रंगरुप को भी प्रभावित करती है।

संकेतः खुजली, दानें या फुसीं, चकत्तों व तीव्र व दीर्घकालिक दाद, मुँहासों, त्वचा के चकत्तों, छपाकी व छालरोग के अन्य लक्षणों से राहत देने में मदद करती है।

संघटनः ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स - एपिस मेल. 4x, आर्सेनिकम एल्बम 6x, रस टॉक्सिकोडैन्ड्रॅन 4x

खुराकः ड्रॉप्स - 10 ड्रॉप्स थोड़े पानी में घोलकर, एक दिन में 2-3 बार लें।

टेबलेट्स - 1 टेबलेट, एक दिन में 3 बार खाना खाने से पहले लें।

बेहतर नतीजों के लिए बैक्सन एस क्योर ऑइंटमेंट को शरीर के बाहरी हिस्से में लगाएं।

#बी25 ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स (एक्ने)

मुँहासों से मुक्त चेहरे के लिए

मुँहासे बालों के कोश (फॉलिकल्स) व सेबेशियस ग्रंथियों का विकार है। ग्रंथ अवरोधन होने से मुँहासे व सिस्ट बनते हैं। यह आमतौर पर किशोरावस्था में आरंभ होता है। इसे गैरप्रदाहक कूपिक फुन्सी या कील व प्रदाहक फुन्सी, पस वाले फुन्सी व इसके गंभीरतम रूप में नॉड्यूल्स (छोटी सी गांठ) से पहचाना जाता है।

संकेतः मुँहासों, कील, एक्ने वल्गेरिस व दाद से राहत देने में मदद करती है।

संघटनः ड्रॉप्स - अमोनियम ब्रोम. 5x, ब्रोमियम 6x, हिपर सल्फ. 8x, जुगलन्स रेग. 4x, काली ब्रोम. 4x, लेडम पाल. 4x, नैट्रम म्यूर. 8x, वायोला ट्राइकलर 5x, नैट्रम ब्रोम. 8x

टेबलेट्स - अमोनियम ब्रोम. 5x, ब्रोमियम 6x, हिपर सल्फ. 5x, जुगलन्स रेग. 4x,काली ब्रोम. 4x, लेडम पाल. 4x, नैट्रम म्यूर. 4x, वायोला ट्राइकलर 5x, नैट्रम ब्रोम. 4x

खुराकः ड्रॉप्स - 10–15 ड्रॉप्स पानी में घोलकर और एक दिन में 2 बार लें।

टेबलेट्स - 1 टेबलेट, एक दिन में दो बार लें। एक पखवाड़े के बाद अगर सुधार धीमा हो तो खुराक एक दिन में 3 बार लें।

बेहतर नतीजों के लिए #बी25 के साथ एक्ने एड गोलियाँ रोज़ाना 2 बार लें और बाहरी हिस्से में बैक्सन एक्ने एड ऑइंटमेंट लगाएं।

#बी61 ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स (ब्लड प्योरिफायर)

विषैले तत्वों को हटाती है, त्वचा के संक्रमणों से लड़ती है

शरीर के सभी हिस्सों में ऑक्सीजन व अन्य महत्वपूर्ण पोषक तत्व बेहतर ढंग से पहुंचाने के लिए रक्त साफ करने के उद्देश्य से रक्त शुद्धीकरण होना आवश्यक है। जब शरीर और रक्त में बहुत अधिक विषैले तत्व हो जाते हैं, तो किसी व्यक्ति को थकान, सिरदर्द, एलर्जी, त्वचा के रोग, सांस लेने की दिक्कतें व प्रतिरक्षा तंत्र में कमी जैसे लक्षण दिखने शुरू हो सकते हैं।

संकेतः रक्त की अशुद्धता से जुड़े फोड़े, एब्सेस, मुँहासे, दाद व लसीका ग्रंथि (लिम्फ ग्लैंड) की सूजन जैसे अस्वस्थ त्वचा के चिह्नों व लक्षणों से राहत देने में मदद करती है।

संघटनः ड्रॉप्स - कोनियम मैक. 4x, हिपर सल्फ. 8x, जुगलन्स रेग. 4x, सर्सापैरिला 4x, स्क्रोफुलैरिया नोड. 4x

टेबलेट्स - कोनियम मैक. 4x, हिपर सल्फ. 4x, जुगलन्स रेग. 4x, सर्सापैरिला 4x, स्क्रोफुलैरिया नोड. 4x

खुराकः ड्रॉप्स - 5–10 ड्रॉप्स पानी में मिलाकर, 2 बार प्रतिदिन खाना खाने से पहले दी जाए।

टेबलेट्स - 1 टेबलेट, प्रतिदिन दो बार खाना खाने से पहले लें।

#बी64 ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स (डर्मैटो)

त्वचा के स्केली (पपड़ीदार) रोगों के लिए

पपड़ीदार त्वचा (त्वचा की पपड़ी बनना) के कारणों की चिकित्सकीय स्थिति की सूची में दाद, फंगसयुक्त त्वचा का संक्रमण, शल्कीत्वचा (इक्थियोसिस), सोरायसिस शामिल होते हैं। सूखी/पपड़ीदार त्वचा सबसे सामान्य तौर पर निचली टांगों, बांहों, बगलों (पेट के दोनों तरफ) और जांघो पर पाई जाती है।

संकेतः पपड़ी बनने (त्वचा निकलने) व दाद व सोरायसिस में अधिचर्म परत के मोटा होने से बचाने में मदद करती है।

संघटनः ड्रॉप्स - बर्बेरिस एक्वीफोलियम Ø, कैल्केरिया कार्ब. 8x, ग्रेफाइट्स 8x, हाइड्रोकोटाइल एशियाटिका 2x, नैट्रम म्यूर. 8x

टेबलेट्स - बर्बेरिस एक्वीफोलियम Ø, कैल्केरिया कार्ब. 6x, ग्रेफाइट्स 5x, हाइड्रोकोटाइल एशियाटिका 2x, नैट्रम म्यूर. 5x

खुराकः ड्रॉप्स - 10–15 ड्रॉप्स पानी में मिलाकर, 2–3 बार प्रतिदिन खाना खाने से पहले लें।

टेबलेट्स - 1 टेबलेट, एक दिन में तीन बार खाना खाने से पहले लें।

बेहतर नतीजों के लिए बाहरी हिस्से में बैक्सन एलोवेरा कैलेंडुला क्रीम लगाएं।

त्वचा संबंधी शिकायतों के लिए उपलब्ध अन्य बी-ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स

#बी38 रीएक्टीवेटिंग ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स

संकेतः त्वचा के असाध्य रोग के तौर पर सामने आने वाले शरीर की कम हो रही प्रतिक्रियात्मकता को बेहतर करने में मदद करती है जिस पर किसी भी उपचार का प्रभाव नहीं होता है। सामान्य डिस्क्रेसिया बेहतर करने में मदद करती है।

संघटनः ड्रॉप्स - मेडोरिनम 20x, सोराइनम 20x, थूजा ऑक्सी. 20x, वैक्सीनीनम मिर्ट. 20x

टेबलेट्स - मेडोरिनम 3x, सोराइनम 3x, थूजा ऑक्सी. 3x, वैक्सीनीनम मिर्ट. 3x

खुराकः ड्रॉप्स - 10–15 ड्रॉप्स पानी में मिलाकर, 3 बार प्रतिदिन खाना खाने से पहले कम से कम 12–16 सप्ताह तक लें।

टेबलेट्स - 2 टेबलेट्स, एक दिन में 3 बार खाना खाने से पहले लें।

#बी43 हाइपर हाइड्रोसिस ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स

संकेतः रजोनिवृत्तिकाल संबंधी विकारों, तीव्र संक्रामक रोगों व बुखार से जुड़ा अत्यधिक पसीना आना, परेशानी पैदा करने वाला, गर्म, ठंडा या चिपचिपा पसीना जो थकान पैदा करता है, इनसे आराम दिलानें में मदद करती है।

संघटनः ड्रॉप्स - एसिडम् नाइट्र 6x, बेलाडोना 3x, जैबोरंडी 3x, काली कार्ब. 8x, लैकेसिस 20x, साल्विया ऑफ. 12x, सैमब्युकस निग. 3x, सैंग्विनेरिया कैन. 3x, सीपिया 20x, वरैट्रम एल्ब. 3x

टेबलेट्स - एसिडम् नाइट्र 6x, बेलाडोना 3x, जैबोरंडी 3x, काली कार्ब. 3x, लैकेसिस 8x, साल्विया ऑफ. 3x, सैमब्युकस निग. 3x, सैंग्विनेरिया कैन. 3x, सीपिया 3x, वरैट्रम एल्ब. 3x

खुराकः ड्रॉप्स - 10–15 ड्रॉप्स थोड़े पानी में, एक दिन में 3–4 बार लें।

टेबलेट्स - 2 टेबलेट्स, एक दिन में 3 बार लें।

#बी67 शिंगल्स ड्रॉप्स एंव हर्पीस टेबलेट्स

संकेतः जलन व खुजली, हर्पीस लेबियालिस व हर्पीस ज़ोस्टर से जुड़े खुजली वाले वेसिकल्स, न्यूरेल्जिया से राहत देने में मदद करती है।

संघटनः ड्रॉप्स - क्रोटन टिग. 4x, मेज़ीरियम 12x, नैट्रम म्यूर. 8x, रस टॉक्सिकोडेन्ड्रॅन 4x

टेबलेट्स - क्रोटन टिग. 4x, मेज़ीरियम 4x, नैट्रम म्यूर. 3x, रस टॉक्सिकोडेन्ड्रॅन 4x

खुराकः ड्रॉप्स -10 ड्रॉप्स थोड़े पानी में प्रत्येक आधे से एक घंटे पर लें। सुधार प्रारंभ हो जाने पर, 10-15 ड्रॉप्स 3-4 बार प्रतिदिन लें।

टेबलेट्स - 1 टेबलेट, प्रत्येक ½-1 घंटे पर लें। सुधार प्रारंभ हो जाने पर, खुराक 3-4 बार प्रतिदिन लें।

www.buybakson.com

#बी14 ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स (रीनल)

गुर्दे की पथरी निकालने में मदद करती है

किडनी स्टोन (गुर्दे की पत्थरी), गुर्दे के भीतर या मूत्रमार्ग में बनने वाला एक कठोर, क्रिस्टलयुक्त खनिज पदार्थ है। गुर्दे की पत्थरी के कारण मूत्र में रक्त और अक्सर पेट, कांख या कमर में तेज़ दर्द होता है। यह मूत्रमार्ग के संक्रमण की प्रवृत्ति को भी बढ़ाता है जो कि मूत्र कृच्छता, बारम्बारता व अविलंब्यता के रुप में प्रस्तुत होते है।

संकेतः उदरशूल व मूत्र मार्ग के संक्रमण सहित गुर्दे की पत्थरी के लक्षणों से राहत देने में मदद करती है।

संघटनः ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स - एसिडम् नाइट्रिकम 6x, बरबेरिस वल. 3x, लाइकोपोडियम क्लेवेट्म 4x, उवा उर्सी 2x, सर्सापैरिल्ला 3x

खुराकः ड्रॉप्स - तीव्र दर्द में 10-15 ड्रॉप्स पानी में घोलकर और 2 घंटे पर, एक दिन में 6 बार लें। सुधार प्रारंभ हो जाने पर खुराक घटाकर एक दिन में तीन बार करें।

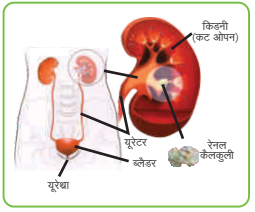

टेबलेट्स - तीव्र दर्द में 2 टेबलेट्स प्रत्येक 2 घंटे पर या एक दिन में 6 बार लें। सुधार प्रारंभ हो जाने पर खुराक घटाकर एक दिन में 3 बार करें।

www.buybakson.com

#बी30 ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स (नॉकटर्नल)

बिस्तर गीला करने से मुक्ति

नॉक्टर्नल एन्यूरेसिस, जिसे आमतौर पर बिस्तर गीला करना कहते हैं, यह सोते समय अनचाहे तरीके से मूत्र निकलने का चिकित्सकीय नाम है, जिस उम्र के बाद मूत्राशय पर नियंत्रण आमतौर पर हो जाता है। नॉक्टर्नल एन्यूरेसिस को उस समय प्रमुख समस्या माना जाता है जब बच्चे के बिस्तर में मूत्र बंद होने को ज़्यादा समय नहीं बीतता है। दूसरा नॉक्टर्नल एन्यूरेसिस तब होता है जब बच्चे या वयस्क सूखे रहने के बाद फिर से बिस्तर गीला करना शुरू कर देते हैं।

संकेतः मूत्राशय की कमज़ोरी की वजह से नॉक्टर्नल एन्यूरेसिस और अनचाहे तरीके से मूत्र करने के तौर पर बिस्तर गीला करने को रोकने में मदद करती है।

संघटनः ड्रॉप्स - कैल्केरिया फॉस्फोरिका 8x, फेरम फॉस्फोरिकम 8x, काली फॉस्फोरिकम 8x, पल्साटिला नाइग. 3x, सीपिया 20x

टेबलेट्स - कैल्केरिया फॉस्फोरिका 3x, फेरम फॉस्फोरिकम 3x, काली फॉस्फोरिकम 3x, पल्साटिला नाइग. 3x, सीपिया 3x

खुराकः ड्रॉप्स - वयस्कः 10–15 ड्रॉप्स पानी में घोलकर एक दिन में 3 बार लें। **बच्चेः** 8–10 ड्रॉप्स पानी में घोलकर एक दिन में 3 बार लें।

टेबलेट्स - वयस्कः 2 टेबलेट्स, एक दिन में 3 बार लें। **बच्चेः** 1 टेबलेट, एक दिन में 3 बार लें।

www.buybakson.com

#बी35 ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स (यूरिनरी)

मूत्राशय संबंधी विकारों के लिए

मूत्र मार्ग संबंधी विकारों में कई बीमारियाँ आती हैं, जिसमें से कुछ दर्द पैदा करना, रुक–रुक कर मूत्र आना, मूत्र के साथ रक्त आना, अत्यावश्यक स्थिति में मूत्र आना, मूत्र कृच्छता और मूत्र की बारंबारता बढ़ने का कारण बनती हैं। संक्रमण से बचने के लिए बहुत सारा द्रव पदार्थ लेने के अलावा उपयुक्त दवा लेना महत्वपूर्ण है।

संकेतः यूरेथ्रा और मूत्र मार्ग के विकारों के अन्य लक्षणों, खुजली, दर्द और/या जलन से राहत देने में मदद करती है।

संघटनः ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स - बरबेरिस वल. 3x, कैन्थरिस 3x, डल्कामारा 3x, इक्वीसेटम हाइमेल 3x, यूपेटोरियम परप्यूरियम 3x

खुराकः ड्रॉप्स - 10–15 ड्रॉप्स थोड़े पानी में एक दिन में 3–4 बार लें। तीव्र सिस्टाइटिस में खुराक प्रत्येक 1–2 घंटे पर ली जाए। सुधार दिखाई देने पर घटाकर सामान्य खुराक पर वापसी करें।

टेबलेट्स - वयस्कः 2 टेबलेट्स एक दिन में 3 बार लें। **बच्चेः** 1 टेबलेट एक दिन में 3 बार लें। अगर बेहतर हो तो खुराक एक दिन में दो बार लें।

www.buybakson.com

#बी63 ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स (किडनी)

गुर्दे के विकारों के विरुद्ध काम करती है

जीवनीय अंगों का जोड़ा, गुर्दे जो हमारे रक्त में से खराब चीज़ें व पानी निकालते है, अक्सर कई समस्याओं की वजह से होने वाले रोगों से प्रभावित हो जाते है। यह उच्च बुखार (संक्रमण), शोफ, रक्त युक्त मूत्र, निचली पीठ या कांख में दर्द, उच्चरक्तचाप, मूत्र कम होना या मूत्र पूरी तरह रुक जाना जैसे लक्षणों के साथ होता है।

संकेतः थकान, पीठ दर्द, गुर्दे के हिस्से में दर्द, एल्बुमिनुरिया, प्रोटिन्यूरिया व गुर्दे के विकारों के अन्य संबंधित लक्षणों से राहत देने में मदद करती है।

संघटनः ड्रॉप्स - हेलोनियास डायोका 3x, काली आर्सेनिकोसम 6x, फॉस्फोरस 4x, प्लम्बम मटैलिकम 8x

टेबलेट्स - हेलोनियास डायोका 3x, काली आर्सेनिकोसम 6x, फॉस्फोरस 4x, प्लम्बम मटैलिकम 6x

खुराकः ड्रॉप्स - 10–15 ड्रॉप्स पानी में 3 बार प्रतिदिन खाना खाने से पहले लें। तीव्र मामलों में खुराक 2 घंटे पर, एक दिन में 6 बार लें। सुधार प्रारंभ हो जाने पर सामान्य खुराक पर वापसी करें।

टेबलेट्स - 2 टेबलेट्स, 3 बार प्रतिदिन खाना खाने से पहले लें। तीव्र मामलों में खुराक 2 घंटे पर, एक दिन में 6 बार लें।

#बी2 ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स (स्टमक)

सुरक्षित ऐन्टैसिड

अमाशयशोथ अंदरूनी पेट की परत में शोथ होना है और इसके कई संभावित कारण हैं। अमाशयशोथ शराब पीने, नॉन–स्टेरॉएड वाली गैरप्रदाहक औषधि या हेलीकोबेक्टर पायलोरी के संक्रमण, बड़ी शल्यचिकित्सा, सांघातिक चोट/जलने से हो सकता है। यह पेट के दर्द और पेट फूलने, डकार आने और अपच के साथ होता है।

संकेतः अपच, पेट में गैस की दिक्कत, हृदय में जलन और घाव होने जैसे तीव्र व दीर्घकालिक अमाशयशोथ के लक्षणों से राहत देने में मदद करती है।

GASTRIC ULCER

संघटनः ड्रॉप्स - एनाकार्डियम 3x, अर्जेन्टम नाईट्र. 6x, आर्सेनिकम एल्ब. 6x, एट्रोपिनम. 8x, कार्बो. वेज. 8x, कैमोमिला 2x, चेलिडोनियम मेज. 3x, लाइकोपोडियम 3x, स्क्रोफ्युलेरिया नोड. 3x

DUODENAL ULCER

टेबलेट्स - एनाकार्डियम 3x, अर्जेन्टम नाईट्र. 6x, आर्सेनिकम एल्ब. 6x, एट्रोपिनम. 6x, कार्बो. वेज. 4x, कैमोमिला 2x, चेलिडोनियम मेज. 3x, लाइकोपोडियम 3x, स्क्रोफ्युलेरिया नोड. 3x

खुराकः ड्रॉप्स -10–15 ड्रॉप्स पानी में घोलकर एक दिन में 3 बार लें। तीव्र मामलों में खुराक 2 घंटे पर, एक दिन में 6 बार लें।

टेबलेट्स - **वयस्कः** 2 टेबलेट्स, एक दिन में 3 बार लें। **बच्चेः** 1 टेबलेट, एक दिन में 3 बार लें।

#बी3 ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स (डायरिया)

अतिसार/पेचिश को रोकती है

अतिसार किसी व्यक्ति के लिए सामान्य की तुलना में प्रतिदिन 3 या ज़्यादा बार पतला या पानी जैसा मल निकलना है। यह आमतौर पर अमाशय तथा आंतो सम्बंधी संक्रमण का लक्षण होता है जो कई तरह के बैक्टीरिया, वायरल व परजीवी जैविक अवयवों की वजह से हो सकता है। पेचिश आंतों का शोथयुक्त विकार है, खासतौर पर मलाशय का, जिसका नतीजा मल में श्लेष्मा और/या रक्त के साथ बुखार और पेटदर्द वाले गंभीर रूप से पेचिश में होता है।

संकेतः अतिसार या पेचिश के साथ होने वाले दीर्घकालिक व तीव्र अमाशय व आंतो के शोथ से राहत देने में मदद करती है।

संघटनः ड्रॉप्स - एसिडम् फॉस. 3x, बैप्टीशिया 4x, कैमोमिला 4x, सिनकोना ऑफ. 3x, कोलोसिन्थिस 6x, फेरम फॉस. 8x, ऑलिएन्डर 5x, रस टॉक्सिकोडेन्ड्रॉन 4x, वरैट्रम एलबम 6x, मरक्युरियस कोर. 6x

टेबलेट्स - एसिडम् फॉस. 3x, बैप्टीशिया 4x, कैमोमिला 4x, सिनकोना ऑफ. 3x, कोलोसिन्थिस 6x, फेरम फॉस. 6x, ऑलिएन्डर 5x, रस टॉक्सिकोडेन्ड्रॉन 4x, वरैट्रम एलबम 6x, मरक्युरियस कोर. 6x

खुराकः ड्रॉप्स - तीव्र मामलों मेंः 10–20 ड्रॉप्स पानी में घोलकर, 2 घंटे पर, एक दिन में 6 बार लें। **दीर्घकालिक मामलों मेंः** 10–20 ड्रॉप्स पानी में घोलकर एक दिन में 2–3 बार लें। डिहाइड्रेशन से बचाव के लिए पर्याप्त पानी पीते रहें।

टेबलेट्स - वयस्कः तीव्र मामलों मेंः 2 टेबलेट्स प्रत्येक 2 घंटे पर, एक दिन में 6 बार लें। **दीर्घकालिक मामलों मेंः** 2 टेबलेट्स एक दिन में 2–3 बार लें। **बच्चेः** 1 टेबलेट प्रत्येक 2–3 घंटे पर लें।

#बी9 ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स (हिमोरॉएडल)

बवासीर के कष्ट से मुक्ति दिलाती है

हिमोरॉएड्स (बवासीर) गुदा या निचले मलद्वार के आसपास सूजी हुई, शोथयुक्त नसें हैं। वे अक्सर आंतिक गतिविधियों के दबाव की वजह से होता है। अन्य कारकों में गर्भावस्था, उम्र बढ़ना और दीर्घकालिक कब्ज़ या दस्त शामिल हैं। यह रक्तस्राव वाला या बिना रक्तस्राव के हो सकता है।

संकेतः गुदा में हिमोरॉएड्स व फिशर से होने वाली खुजली व अत्यधिक रक्तस्राव से राहत देने में मदद करती है।

संघटनः ड्रॉप्स - एसिडम् नाइट्र. 6x, ऐसक्युलस हिप. 2x, कोलिनसोनिया केन. 4x, ग्रेफाइट्स 8x, हैमामेलिस वर्जी. 3x, काली कार्ब. 8x, लाइकोपोडियम क्लेवेट्म 4x, पीयोनिया ऑफ. 3x, सल्फर 5x

टेबलेट्स - एसिडम् नाइट्र. 6x, ऐसक्युलस हिप. 2x, कोलिनसोनिया केन. 4x, ग्रेफाइट्स 4x, हैमामेलिस वर्जी. 3x, काली कार्ब. 4x, लाइकोपोडियम क्लेवेट्म 4x, पीयोनिया ऑफ. 3x, सल्फर 3x

खुराकः ड्रॉप्स - 10–15 ड्रॉप्स पानी में घोलकर, 2 घंटे पर, एक दिन में 6 बार लें। सुधार प्रारंभ हो जाने पर अनुरक्षण खुराक एक दिन में दो बार ली जाए।

टेबलेट्स - 2 टेबलेट्स, 2 घंटे पर, एक दिन में 6 बार लें। **अनुरक्षण खुराकः** 2 टेबलेट्स, एक दिन में दो बार लें।

बेहतर नतीजों के लिए #बी9 के साथ पिलगो गोलियाँ रोज़ाना 2 बार लें और बाहरी हिस्से पर बैक्सन ऐस्कुलस ऑइंटमेंट का इस्तेमाल करें।

#बी19 ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स (कॉलिक)

जकड़ने वाले दर्द से आपको मुक्त करती है

ऐंठन, अवरुद्धता, पेट में गैस की दिक्कत होने या पेट के किसी भी अंग के फैलाव के होने की वजह से पेट में गंभीर दौरे के रुप में दर्द उदरशूल (कॉलिक) होता है। शिशुओं में आमतौर पर दिखने वाले उदरशूल के अलावा वयस्कों में दो प्रकार के रीनल (वृक्क) और आंतों का उदरशूल होता है।

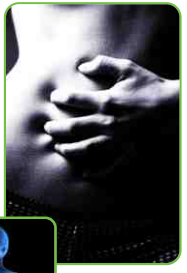

संकेतः पेट में गैस की दिक्कत, आंतों में उदरशूल, पेट में ऐंठन और कब्ज़ से राहत देने में मदद करती है।

संघटनः ड्रॉप्स - एल्यूमिना 8x, ब्रायोनिया एल्बा 4x, कोलोसिन्थिस 4x, मैग्निशियम फॉस. 8x, लाइकोपोडियम क्लेव. 4x, मरक्युरियस कोर. 6x, प्लम्बम एसिट. 8x, सल्फर 6x

टेबलेट्स - एल्यूमिना 6x, ब्रायोनिया एल्बा 4x, कोलोसिन्थिस 4x, मैग्निशियम फॉस. 4x, लाइकोपोडियम क्लेव. 4x, मरक्युरियस कोर. 6x, प्लम्बम एसिट. 6x, सल्फर 6x

खुराकः ड्रॉप्स - तीव्र मामलों मेंः 10–15 ड्रॉप्स पानी में घोलकर, 2 घंटे पर, एक दिन में 6 बार लें। **दीर्घकालिक मामलों मेंः** खुराक एक दिन में 3 बार लें।

टेबलेट्स - वयस्कः तीव्र मामले में 2 टेबलेट्स प्रत्येक 2 घंटे पर या एक दिन में 6 बार लें।

बच्चेः 1 टेबलेट प्रत्येक 2 घंटे पर। दीर्घकालिक मामलों में खुराक एक दिन में 3 बार लें।

www.buybakson.com

#बी32 ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स (लैग्ज़–एन–लिव)

आंतिक गतिविधियों को नियमित करती है

कब्ज़ का मतलब अलग–अलग लोगों के लिए अलग–अलग है। कई लोगों के लिए, इसका सामान्य मतलब है अनियमित रूप से मल निकलना। हालांकि, अन्य लोगों के लिए, कब्ज़ का मतलब है सख्त मल, मल निकलने में दिक्कत (दबाव) या आंतिक गतिविधि के बाद अधूरे तौर पर पेट खाली होने का अहसास होने से है।

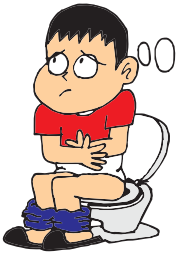

संकेतः जिगर व पित्ताशय (गॉल ब्लैडर) के विकारों जैसे पित्तपथरियाँ (गॉल स्टोन) व हेपेटाइटिस से जुड़े पित्त के दुर्बल स्राव; भूख में कमी, मुंह में कड़वा स्वाद, पेट में गैस की दिक्कत, कब्ज़ और पेट दर्द के लक्षणों से राहत देने में मदद करती है।

संघटनः ड्रॉप्स - कार्डुअस मैरीएनस 2x, चेलिडोनियम मेज. 2x, कोलेस्ट्रीनम 8x, कोलोसिन्थिस 5x, लाइकोपोडियम क्लेव. 4x, नक्स वोमिका 4x

टेबलेट्स - कार्डुअस मैरीएनस 2x, चेलिडोनियम मेज. 2x, कोलेस्ट्रीनम 6x, कोलोसिन्थिस 5x, लाइकोपोडियम क्लेव. 4x, नक्स वोमिका 4x

खुराकः ड्रॉप्स - 10–15 ड्रॉप्स थोड़े पानी में, एक दिन में 3 बार खाना खाने से पहले 1–2 सप्ताह तक ली जाए। अगर ज्यादा सुधार न दिखे तो 10–15 ड्रॉप्स, एक दिन में 4–6 बार लें और सुधार होने पर खुराक घटा दें। लक्षण पूरी तरह खत्म हो जाने पर भी और अधिक समय तक 10–15 ड्रॉप्स दिन में 1–3 बार लेते रहें, आहार की कड़ी निगरानी रखें।

टेबलेट्स - वयस्कः 2 टेबलेट्स, एक दिन में 3 बार खाना खाने से पहले लें।

बच्चेः 1 टेबलेट एक दिन में 3 बार लें। अगर सुधार न दिखे तो खुराक एक दिन में 4–6 बार ली जाए।

www.buybakson.com

पाचन संबंधी शिकायतों के लिए उपलब्ध अन्य बी-ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स

#बी24 नॉज़िया ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स

संकेतः समुद्री रुग्णता, सुबह की अस्वस्थता, मादक पदार्थ पीने वाले लोगो के अमाश्यशोथ और अन्य प्रकार से होने वाली मितली, उल्टी से राहत देने में मदद करती है।

संघटनः ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स - ऐथ्यूज़ा साइन. 3x, कॉक्यूलस इन्ड. 3x, कॉल्चिकम एट. 3x, इपिकाकुह्याना. 3x, नक्स वॉमिका 4x, पैट्रोलियम 3x, वरैट्रम एल्बम 3x

खुराकः 10–15 ड्रॉप्स पानी में घोलकर एक दिन में 3 बार या प्रत्येक 2 घंटे पर तीव्र अवस्था में।

टेबलेट्स - वयस्कः 2 टेबलेट्स, एक दिन में तीन बार लें। **बच्चेः** 1 टेबलेट एक दिन में तीन बार लें। तीव्र अवस्था के लिए खुराक, एक दिन में 6 बार लें।

#बी27 वर्म्ज़ ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स

संकेतः कृमि (एस्केराइडस) व सूत्रकृमि (थ्रेडवर्म) सहित सभी तरह के कीड़ों को खत्म करने में मदद करती है।

संघटनः ड्रॉप्स - आर्टमीसिया. वल. 3x, सिना 3x, फिलिक्स मास 3x, ग्रेफाइट्स 8x, मरक्यूरियस कोर. 6x

टेबलेट्स - आर्टमीसिया. वल. 3x, सिना 3x, फिलिक्स मास 3x, ग्रेफाइट्स 3x, मरक्यूरियस कोर. 6x

खुराकः ड्रॉप्स - 10–15 ड्रॉप्स पानी में घोलकर एक दिन में 2–3 बार लें।

टेबलेट्स - 2 टेबलेट्स, एक दिन में 2–3 बार लें।

#बी70 पैनक्रियाटिक ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स

संकेतः पैनक्रियाटिक रोग से जुड़े फूले हुए पेट/पेट में गैस की अधिक दिक्कत, बांयी ओर अधोजठरिय दर्द और अपच के लक्षणों से राहत देने में मदद करती है।

www.buybakson.com

संघटनः ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स - एपिस मेलिफिका 4x, कोलोसिन्थिस 4x, लाइकोपोडियम क्लेव. 4x, आइरिस वर्स. 4x, फॉसफोरस 5x

खुराकः ड्रॉप्स - 10–15 ड्रॉप्स पानी में घोलकर, एक दिन में 3–4 बार लें।

टेबलेट्स - 2 टेबलेट्स एक दिन में 3–4 बार लें।

www.buybakson.com

#बी20 ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स (शुगर)

ब्लड शुगर (रक्त शर्करा) स्तर सामान्य बनाए रखती है

डायबिटीज़ मेलाइटस इंसुलिन का कम स्राव है और/या परिधीय इंसुलिन प्रतिरोधक क्षमता के परिवर्तित स्तर हैं जो उच्च रक्त शर्करा (हाइपरग्लाइसीमिया) का कारण बनते हैं। आरंभिक लक्षण हाइपरग्लाइसीमिया से संबंधित होते हैं और इसमें प्यास बढ़ना, भूख बढ़ना और ज़्यादा मूत्र शामिल होता है।

प्री-डायबिटीज़: निराहार ब्लड ग्लूकोस (एफ. बी. जी.) – 100-125 mg/dl और पी. पी. ब्लड ग्लूकोस 140-199 mg/dl.

मधुमेह: एफ. बी. जी. > 126 mg/dl. और पी. पी. स्तर > 200 mg/dl.

संकेत: अतिशर्करारक्तता (हाइपरग्लाइसीमिया) व मधुमेह से जुड़े लक्षणों में राहत देने में मदद करती है।

संघटन: ड्रॉप्स – एसिडम् फॉस. 6x, आर्सेनिकम एल्बम 6x, लाइकोपोडियम क्लेवेट्म 4x, नैट्रम सल्फ. 8x, फेसियोलस 4x, सीकेल कॉर. 4x, सिज़िशियम जैम्ब. 4x

टेबलेट्स – एसिडम् फॉस. 6x, आर्सेनिकम एल्बम 6x, लाइकोपोडियम क्लेवेट्म 4x, नैट्रम सल्फ. 4x, फेसियोलस 4x, सीकेल कॉर. 4x, सिज़िशियम जैम्ब. 4x

खुराक: ड्रॉप्स – 15–20 ड्रॉप्स पानी में घोलकर एक दिन में 3 बार खाना खाने से पहले लें।

टेबलेट्स – 2 टेबलेट्स, एक दिन में 3 बार खाना खाने से पहले लें।

#बी36 ड्रॉप्स & टेबलेट्स (एन्डोक्राइन) (पुरुष)
व
#बी37 ड्रॉप्स & टेबलेट्स (एन्डोक्राइन) (महिलाएँ)

एंडोक्राइन सिस्टम शरीर के विभिन्न भागों में कई ग्रंथियों को शामिल करता है। ये ग्रंथियाँ सीधे रक्तप्रवाह में हॉर्मोन स्रावित करती हैं और कई महत्वपूर्ण कार्य प्रभावित करती हैं। एंडोक्राइन स्राव का अतिकुशल संतुलन मानसिक तनाव, संक्रमण व अन्य कारकों से बिगड़ सकता है। इन विकारों में बढ़त संबंधी बाधा, मोटापा, थाइरॉयड का सही काम न करना, पोलीसिस्टिक ओवेरियन रोग, एडीसन डिज़ीज़ व पुरुषों में नपुंसकता (यौनिक निष्क्रियता) शामिल होते है।

संकेत: महिलाओं में (# बी37) और पुरुषों में (# बी36) एंडोक्राइन संबंधी विकारों के लक्षणों से राहत देने में मदद करती है।

#बी36-संघटन: ड्रॉप्स – एड्रीनेलिनम 8x, ग्लैन्डुला थाइमी 20x, पिटुइटैरम पोस्टीरियम 20x, पैन्क्रियाटिनम 8x, ऑर्किटिनम (टेस्टिस) 20x, थाइराइडिनम 12x

#बी37-संघटन: ड्रॉप्स – एड्रीनेलिनम 8x, ग्लैन्डुला थाइमी 20x, पिटुइटैरम पोस्टीरियम 20x, पैन्क्रियाटिनम 8x, ऊफोराइनम (ओवरी) 20x, थाइराइडिनम 12x

#बी36-संघटन: टेबलेट्स – एड्रीनेलिनम 8x, ग्लैन्डुला थाइमी 8x, पिटुइटैरम पोस्टीरियम 8x, पैन्क्रियाटिनम 8x, ऑर्किटिनम (टेस्टिस) 8x, थाइराइडिनम 8x

#बी37-संघटन: टेबलेट्स – एड्रीनेलिनम 8x, ग्लैन्डुला थाइमी 8x, पिटुइटैरम पोस्टीरियम 8x, पैन्क्रियाटिनम 8x, ऊफोराइनम (ओवरी) 8x, थाइराइडिनम 8x

खुराक: #बी36 एंव #बी37 ड्रॉप्स – 10–15 ड्रॉप्स थोड़े पानी में, एक दिन में 3 बार लें।

खुराक: #बी36 एंव #बी37 टेबलेट्स – 2 टेबलेट्स, एक दिन में 3 बार लें।

»» एंडोक्राइन (हॉर्मोन संबंधी) शिकायतें

#बी56 ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स (थाइरोटॉक्सिक)

थायरॉएड ग्रंथि को प्रभावी रूप से काम करने में सक्षम करती है

थायरोटॉक्सिकोसिस, एक विषण्ण स्थिति है जो थायरॉएड हॉर्मोन के अत्यधिक ग्रहण करने या थायरॉएड ग्रंथि द्वारा थायरॉएड हॉर्मोन के अधिक निर्माण करने से हो सकती है। सामान्य लक्षणों में अत्यधिक पसीना आना, गर्मी सहन न होना, कंपकंपी, वजन कम होना आदि शामिल हैं।

संकेतः थायरोटॉक्सिकोसिस के संबंधित लक्षणों हाथों के कांपने, पसीना आने, नेत्रोत्सेध, मांसक्षय, दस्त व अन्य संबंधित लक्षणों में राहत देने में मदद करती है।

संघटनः ड्रॉप्स - एट्रोपिनम 8x, ब्रोमियम 6x, हेक्ला लावा 8x, आयोडियम 4x, स्पोन्जिया 4x, नैट्रम म्यूर. 8x

टेबलेट्स - एट्रोपिनम 6x, ब्रोमियम 6x, हेक्ला लावा 4x, आयोडियम 4x, स्पोन्जिया 4x, नैट्रम म्यूर. 4x

खुराकः ड्रॉप्स - उपचार के प्रथम सप्ताह में 10–15 ड्रॉप्स थोड़े पानी में 4 बार प्रतिदिन खाना खाने से पहले लें। अगले सप्ताह से खुराक 3 बार प्रतिदिन और उसके बाद 2 बार प्रतिदिन लें।

टेबलेट्स - प्रथम सप्ताह में 2 टेबलेट्स 4 बार प्रतिदिन खाना खाने से पहले लें। अगले सप्ताह में खुराक 3 बार प्रतिदिन और उसके बाद 2 बार प्रतिदिन लें।

www.buybakson.com

»» स्नायु संबंधी शिकायतें

#बी10 ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स (स्लीप)

अनिद्रा के लिए गैर व्यसनी फॉर्म्यूला

ज़्यादातर वयस्कों को उनके जीवन में एक बार या किसी न किसी समय इनसोम्निया या अनिद्रा महसूस होती है। इनसोम्निया एक लक्षण है, नाकि अकेले तौर पर पहचाने जाने वाला रोग निदान या रोग। परिभाषा के अनुसार, इनसोम्निया ''नींद आने या सोते रहने में या दोनों में दिक्कत'' होना है और यह नींद की अपर्याप्त गुणवत्ता या मात्रा की वजह से हो सकती है। सबसे सामान्य कारणों में दबाव वाली स्थितियाँ, पारी वाले काम में परिवर्तन; कोई मनोरोग संबंधी स्थिति या दवा, शराब, सेडेटिव्स छोड़ना शामिल हैं।

संकेतः अनिद्रा से राहत पाने, सोने के अव्यवस्थित आभ्यास, स्नायुओं के थकने और बेचैनी सें राहत देने में मदद करती है।

संघटनः ड्रॉप्स - अमोनियम ब्रोम. 3x, एवीना सैट. Ø, कैमोमिला 4x, काली फॉस. 8x, ह्यूमुलस लुप. 2x, इग्नेशिया अमारा 6x,पैसीफ्लोरा इन. 2x, वैलिरियाना ऑफ. Ø

टेबलेट्स - अमोनियम ब्रोम. 3x, एवीना सैट. Ø, कैमोमिला 4x, काली फॉस. 2x, ह्यूमुलस लुप. 2x, इग्नेशिया अमारा 6x,पैसीफ्लोरा इन. 2x, वैलिरियाना ऑफ. Ø

खुराकः ड्रॉप्स - 10–20 ड्रॉप्स पानी में घोलकर एक दिन में 3 बार लें।

टेबलेट्स - 2 टेबलेट्स, एक दिन में 3 बार लें।

www.buybakson.com

#बी12 ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स (हैडेक)

सभी तरह के सिरदर्द से राहत देती है

सिरदर्द या शिरोवेदना को सिर या ऊपरी गर्दन में दर्द के तौर पर परिभाषित किया गया है। यह सिर व गर्दन में विभिन्न स्थितियों के लक्षण हो सकते हैं। सिरदर्द का सबसे सामान्य प्रकार तनावयुक्त सिरदर्द है। तनावयुक्त सिरदर्द कंधों, गर्दन, खोपड़ी और जबड़े की सख्त मांसपेशियों की वजह से होता है। वे अक्सर दबाव, अवसाद या बेचैनी से संबंधित होते हैं। सिरदर्द के अन्य सामान्य प्रकारों में आधासीसी दर्द, क्लस्टर व साइनस वाला सिरदर्द शामिल हैं।

संकेतः आधासीसी, तनावग्रस्त सिरदर्द और लगातार दीर्घकालिक सिरदर्द की अस्वस्थता बढ़ने से राहत देनें में मदद करती है।

संघटनः ड्रॉप्स - सिमिसिफ्युगा रैस. 3x, जेलसीमियम सेम्प. 3x, आइरिस वर. 2x, सैंग्विनेरिया कैन. 3x, स्पाइजीलिया ऐन्थ.12x

टेबलेट्स - सिमिसिफ्युगा रैस. 3x, जेलसीमियम सेम्प. 3x, आइरिस वर. 2x, सैंग्विनेरिया कैन. 3x, स्पाइजीलिया मैरि. 3x

खुराकः तीव्र मामलों मेंः 10–15 ड्रॉप्स पानी में घोलकर और 2 घंटे पर, एक दिन में 6 बार लें। **दीर्घकालिक मामलों मेंः** खुराक एक दिन में दो बार लें।

टेबलेट्स - वयस्कः 2 टेबलेट्स, एक दिन में 4 बार लें। **बच्चेः** एक टेबलेट एक दिन में 4 बार लें। दीर्घकालिक मामलों के लिए 2 टेबलेट्स एक दिन में दो बार कम से कम 12–16 सप्ताह तक ली जाए।

बेहतर नतीजों के लिए #बी12 के साथ मिग एड गोलियाँ रोज़ाना 2 बार लें और बैक्सन डाइजी एड सिरप का इस्तेमाल करें।

#बी16 ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स (वर्टिगो)

खड़ी अवस्था में संतुलन में उपयोगी

वर्टिगो एक प्रकार का चक्कर आना है, जिसमें व्यक्ति स्थिर होने पर गतिशील होने का अहसास करता है। अंदरूनी कान में वेस्टीब्यूलर सिस्टम के ठीक से काम न करने की वजह से ये लक्षण होते हैं। यह अक्सर मितली व उल्टी के साथ–साथ खड़े होने व पैदल चलने में दिक्कत के साथ जुड़ा होता है।

संकेतः चक्कर व यात्रा की अस्वस्थता से राहत देने में मदद करती है।

संघटनः ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स - आर्जेन्टम नाईट्र. 6x, कॉक्युलस इन्ड. 4x, कोनियम मैक. 4x, जेल्सीमियम सेम्प. 3x

खुराकः ड्रॉप्स - 10–15 ड्रॉप्स पानी में घोलकर एक दिन में 3 बार खाना खाने से पहले लें।

टेबलेट्स - 2 टेबलेट्स, एक दिन में 3 बार खाना खाने से पहले लें।

#बी44 ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स (कन्वल्शन)

कन्वल्शन (पेशी–स्फुरण व मांसपेशियों में ऐंठन) से प्रभावी राहत

पेशी–स्फुरण के साथ बेहोशी और ऐठंन (कन्वल्शन) तब होता है जब व्यक्ति का शरीर तेज़ी से और अनियंत्रित रूप से हिलने लगता है। कन्वल्शन के दौरान, व्यक्ति की मांसपेशियाँ तेज़ी से सिकुड़ती और फैलती हैं। इसके कारण शराब पीना, दिमाग के रोग या चोट या ट्यूमर, दवा का दुरुपयोग, बुखार, कम रक्त शर्करा, भयंकर उच्च रक्तचाप या मिरगी के दौरे हैं।

संकेतः जकड़, मिरगी की ऐंठन, पेशी–स्फुरण और मांसपेशियों के फड़कने से राहत देने में मदद करती है।

संघटनः ड्रॉप्स - बुफो राना 20x, क्यूप्रम मेट. 8x, पल्साटिला नाइग. 2x, साइलीशिया 8x, ज़िन्कम मेट. 8x

टेबलेट्स - बुफो राना 8x, क्यूप्रम मेट. 3x, पल्साटिला नाइग. 2x, साइलीशिया 3x, ज़िन्कम मेट. 3x

खुराकः ड्रॉप्स -10–15 ड्रॉप्स थोड़े पानी में 3 बार प्रतिदिन कम से कम 12–16 सप्ताह तक ली जाए। अटैक की शुरुआत में 20 ड्रॉप्स थोड़े पानी में प्रत्येक ½ घंटे से 2 घंटे पर ली जाए। सुधार प्रारंभ हो जाने पर खुराक प्रतिदिन दो बार लें।

टेबलेट्स - 2 टेबलेट्स, 3 बार प्रतिदिन 12–16 सप्ताह तक लें। अटैक के दौरान 2 टेबलेट्स प्रत्येक ½ घंटे से 2 घंटे पर लें।

www.buybakson.com

#बी57 ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स (मैमरी)

याददाश्त तेज़ करती है

वर्तमान पीढ़ियों में, कमज़ोर याददाश्त वास्तव में बहुत सामान्य और गंभीर समस्या है। याददाश्त की कमज़ोरी किसी व्यक्ति के काम पर या पढ़ाई में प्रदर्शन, प्रदर्शन करने के प्रोत्साहन और अंततः उसके आत्म–गौरव को प्रभावित कर सकती है। भूल जाना कई वजहों से होता है। कमज़ोर याददाश्त का सामान्य कारण रुचि कम होना या एकाग्रता, उम्र बढ़ना, अवसाद, बेचैनी, ब्रेन ट्यूमर, ज़्यादा दवाई खाना आदि हैं।

संकेतः कमज़ोर याददाश्त की स्थिति बेहतर करने में मदद करती है।

संघटनः ड्रॉप्स - एनाकार्डियम ऑक्सी. 3x, आर्सेनिकम एल्ब. 6x, बेलाडोना 3x, जेलसीमियम सेम. 3x, काली फॉस. 8x, लाइकोपोडियम क्लेवेट्म 3x, सीपिया 20x

टेबलेट्स - एनाकार्डियम ऑक्सी. 3x, आर्सेनिकम एल्ब. 6x, बेलाडोना 3x, जेलसीमियम सेम. 3x, काली फॉस. 3x, लाइकोपोडियम क्लेवेट्म 3x, सीपिया 3x

खुराकः ड्रॉप्स - 10–15 ड्रॉप्स थोड़े पानी में, 2 बार प्रतिदिन खाना खाने से पहले लें। सुधार शुरू होने पर खुराक प्रतिदिन एक बार लें।

टेबलेट्स - 2 टेबलेट्स, प्रतिदिन दो बार खाना खाने से पहले लें। सुधार होने पर 1 टेबलेट प्रतिदिन दो बार लें।

www.buybakson.com

#बी68 ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स (न्यूरेल्जिया)

न्यूरेल्जिया (स्नायुशूल) के कष्ट से मुक्ति देती है

न्यूरेल्जिया किसी स्नायु में क्षोभण या क्षतिग्रस्त होने की वजह से अत्यधिक ज्वलनकारी या आघात करने वाला दर्द है। अक्सर ऐसा महसूस होता है कि जैसे दर्द प्रभावित स्नायु के मार्ग में फैला हुआ है या दर्द आमतौर पर शरीर के उस हिस्से में कुछ सेकेंड या मिनटों के लिए महसूस होता है जिस हिस्से को उत्तेजित स्नायु से आपूर्ति होती है। कुछ मामलों में दर्द प्रभावित हिस्से की मांसपेशियों के फड़कने के साथ हो सकता है।

संकेतः तेज़, अत्यधिक दर्द के साथ जुड़ी विभिन्न हिस्सों की स्नायुशूल से राहत देने में मदद करती है।

संघटनः ड्रॉप्स - कोलोसिन्थिस 3x, कालमिया लैट. 3x, मैग्निशियम फॉस. 8x, वरबैस्कम थाप. 2x

टेबलेट्स - कोलोसिन्थिस 3x, कालमिया लैट. 3x, मैग्निशियम फॉस. 3x, वरबैस्कम थाप. 2x

खुराकः ड्रॉप्स - तीव्र मामलों में 10–15 ड्रॉप्स पानी में घोलकर, 2 घंटे पर एक दिन में 6 बार लें। सुधार प्रारंभ हो जाने पर खुराक को घटाकर एक दिन में 3 बार लें।

टेबलेट्स - तीव्र मामलों में 2 टेबलेट्स, 2 घंटे पर, एक दिन में 6 बार लें। सुधार प्रारंभ हो जाने पर खुराक एक दिन में 3 बार लें।

स्नायु संबंधी शिकायतों के लिए उपलब्ध अन्य बी-ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स

#बी29 इन्टरकॉस्टल ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स

संकेतः अंतरापर्शुकी शूल (इंटरकोस्टल न्यूरेल्जिया) से राहत देने में मदद करती है।

संघटनः ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स - आर्सेनिकम एलबम 6x, कोलोसिन्थिस 3x, रैननक्यूलस बल्बोसस 3x

खुराकः ड्रॉप्स - 10–15 ड्रॉप्स पानी में घोलकर दर्द की तीव्रता के अनुसार प्रत्येक 30 मिनट से 3 घंटे पर लें।

टेबलेट्स - 2 टेबलेट्स एक दिन में 6 बार लें। दर्द में राहत मिलने पर खुराक घटाकर एक दिन में दो बार लें।

#बी 45 न्यूरल ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स

संकेतः स्नायु संबंधी उत्तेजना जैसे स्फुरण, पेशी–स्फुरण (कन्वल्शन), कोरिया व आरामरहित नींद के लक्षणों में राहत देने में मदद करती है।

संघटनः ड्रॉप्स - अगैरिकस मस्क. 12x, इग्नेशिया अम. 3x, लैकेसिस 20x, मैग्निशियम फॉस. 8x, फॉस्फोरस 4x, जिंकम मेट. 8x

टेबलेट्स - अगैरिकस मस्क. 2x, इग्नेशिया अम. 3x, लैकेसिस 8x, मैग्निशियम फॉस. 3x, फॉस्फोरस 4x, जिंकम मेट. 3x

खुराकः ड्रॉप्स - 8–15 ड्रॉप्स थोड़े पानी में एक दिन में 2–3 बार लें। तीव्र मामलों में अक्सर दौरे पड़ने पर और ऐंठन बनी रहने पर खुराक प्रत्येक 1–2 घंटे पर ली जानी चाहिए।

टेबलेट्स - 2 टेबलेट्स, 3 बार प्रतिदिन लें। तीव्र मामलों में प्रत्येक 1–2 घंटे पर खुराक लें।

#बी4 ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स (हार्ट)

हृदय की मांसपेशियों को मजबूत बनाएं

हृदय संबंधी अक्षमता एक रोग पैदा करती है जिसमें हृदय की मांसपेशियां कमज़ोर हो जाती हैं और रक्तवाहिकाओं के माध्यम से बलपूर्वक या समुचित रूप से पर्याप्त रक्त पंप करने में सक्षम नहीं रह जाती है। हृदय की अक्षमता का कारण हृदय की मांसपेशियों में तीव्र या क्रमिक चोट या उच्च रक्तचाप, दिल के दौरे या कपाटिकी संबंधी (वैल्वुलर) रोग जैसे हृदवाहिनी रोगों की वजह से भी हो सकती है।

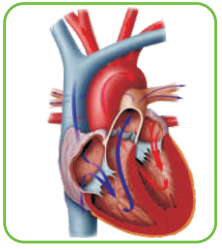

संकेतः कपाटिकी संबंधी हृदयरोग, हृदय के पेशीपिण्ड (मायोकार्डियम) की अपजनन प्रक्रियाएं और हृदय धमनी रोग के समान हृदय की अक्षमता से जुड़े लक्षणों में राहत देने में मदद करती है।

संघटनः ड्रॉप्स – कैक्टस ग्रैन्ड. 3x, क्रेटेगस ऑक्स. Ø, डिजिटैलिस पर. 6x, काली कार्ब. 8x, कालमिया लेटी. 3x, फॉस्फोरस 5x, स्कवीला 3x, स्पाइजीलिया ऐन्थ. 12x, स्ट्रोफैन्थस हिस. 3x

टेबलेट्स – कैक्टस ग्रैन्ड. 3x, क्रेटेगस ऑक्स. Ø, डिजिटैलिस पर. 6x, काली. कार्ब. 3x, कालमिया लेटी. 3x, फॉस्फोरस 5x, स्कवीला 3x, स्पाइजीलिया मैरि. 5x, स्ट्रोफैन्थस हिस. 3x

खुराकः ड्रॉप्स – 10–30 ड्रॉप्स पानी में घोलकर एक दिन में 3 बार लें।

टेबलेट्स – 2 टेबलेट्स, एक दिन में 3 बार लें।

#बी5 ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स (गोल्ड)

हृदय प्रवाह को बनाए रखती है

एक या ज़्यादा हृदय धमनियों के माध्यम से रक्त का अपर्याप्त संचार हृदय के पेशीपिण्ड (मायोकार्डियम) को पर्याप्त रक्त देने में असफल रहता है जिसे कि हृदयशूल के बार–बार के हमले से पहचाना जाता है। छाती के दर्द व भारीपन के साथ, असामान्य धड़कन व सांस लेने में दिक्कत भी हो सकती है।

संकेतः अन्य लक्षणों के अलावा कंठ शूल (एंजाइना), हृदय अतालता (एरिथिमिया) के लक्षणों से राहत देने में मदद करती है, जो हृत्विक्षिप्ति (कार्डिएक न्यूरोसिस) व हृदय की अक्षमताओं जैसे रोगों में प्रस्तुत होता है।

संघटनः ड्रॉप्स – आर्निका मोन. 3x, ऑरम म्यूर 3x, कैक्टस ग्रैन्ड. 3x, क्रेटेगस ऑक्सी. 1x, डिजिटैलिस पर. 6x, इग्नेशिया अमारा 3x, काली फॉस. 8x, स्पाइजीलिया ऐन्थ. 12x, वैलेरियाना आफ. 2x

टेबलेट्स – आर्निका मोन. 3x, ऑरम म्यूर 3x, कैक्टस ग्रैन्ड. 3x, क्रेटेगस ऑक्सी. 1x, डिजिटैलिस पर. 6x, इग्नेशिया अमारा 3x, काली फॉस. 3x, स्पाइजीलिया मैरि. 3x, वैलेरियाना आफ. 2x

खुराकः ड्रॉप्स – तीव्र दर्द में, 10–15 ड्रॉप्स पानी में घोलकर, 2 घंटे पर, एक दिन में 6 बार लें। सुधार प्रारंभ हो जाने पर खुराक को घटाकर एक दिन में 3 बार लें।

टेबलेट्स – तीव्र दर्द होने पर 2 टेबलेट्स प्रत्येक 2 घंटे पर, एक दिन में 6 बार लें। सुधार होने पर खुराक घटाकर एक दिन में 3 बार लें।

#बी48 ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स (वेन)

अपस्फीत शिरा संबंधी शिकायत में राहत देती है

अपस्फीत शिरा (वेरीकोस) वे बड़ी हुई नसें हैं जो सूज जाती हैं और त्वचा की सतह से ऊपर उभर आती हैं। वे गहरे बैंगनी या नीले रंग की हो सकती हैं और मुड़ी हुई और उभरी हुई दिखती हैं। अपस्फीत शिरा आमतौर पर पिंडली या पैर के अंदर की तरफ पाई जाती हैं। वे विकसित होती हैं जब नसों में कपाटिकी (वॉल्व) जो हृदय की तरफ रक्त को प्रवाहित होने देते हैं, ठीक से काम करना बंद कर देते हैं।

संकेतः शिराओं के अवरोधित होने के लक्षणो जैसे शरीर के किसी भी भाग खासतौर पर पैरों के निचले हिस्सो में अपस्फीत शिरा व उससे संबंधित दाद को ठीक करने में मदद करती है।

संघटनः ड्रॉप्स - एसिडम् फ्लोर. 5x, बेलाडोना 3x, कैल्केरिया फ्लोर. 8x, कार्डुअस मेरीनस 2x, हैमामेलिस वर. 3x, मेज़ीरियम 12x, ज़िंकम मेट. 8x, सिकेल कोर 5x, ऐसक्युलस हिप. 3x

टेबलेट्स - एसिडम् फ्लोर. 3x, बेलाडोना 3x, कैल्केरिया फ्लोर. 3x, कार्डुअस मेरीनस 2x, हैमामेलिस वर. 3x, मेज़ीरियम 3x, ज़िंकम मेट. 3x, सिकेल कोर 3x, ऐसक्युलस हिप. 3x

खुराकः ड्रॉप्स - 10–15 ड्रॉप्स थोड़े पानी में एक दिन में 3 बार खाना खाने से पहले लें। सूजन और एग्ज़ीमा (पामा) के मामले में, आधे से एक घंटे के अंतराल पर खुराक ली जानी चाहिए।

टेबलेट्स - 2 टेबलेट्स, एक दिन में 3 बार खाना खाने से पहले लें। तीव्र सूजन और एग्ज़ीमा (पामा) के मामले में, खुराक प्रत्येक ½ – 1 घंटे पर ली जानी चाहिए।

#बी62 ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स (सर्क्युलेशन)

संचरण में गड़बड़ियों को सुधारती है

बंद धमनियों की वजह से अपर्याप्त रक्त संचार के हाथों व टांगों पर गंभीर प्रभाव होते हैं। टांगों व पैरों में खराब संचार का नतीजा टांगों, पैरों व हाथों की मांसपेशी ऊतकों में कम ऑक्सीकरण होता है जिसे हाथों, पैरों व अंगुलियों में अचानक सुन्नपन या झुनझुनी के रूप में महसूस किया जा सकता है या यहां पर पैर में दर्दयुक्त अकड़न हो सकती है।

संकेतः अकड़न से राहत देने में मदद करती है खासतौर पर जो संचार में अवरोध से संबंधित होती है।

संघटनः ड्रॉप्स - एड्रीनेलिनम 8x, एस्क्युलस हिप. 2x, क्यूप्रम एसिट. 8x, सिकेल कोरनुटम. 3x, टबैकम 3x, वरैट्रम एल्ब. 3x

टेबलेट्स - एड्रीनेलिनम 6x, एस्क्युलस हिप. 2x, क्यूप्रम एसिट. 4x, सिकेल कोरनुटम. 3x, टबैकम 3x, वरैट्रम एल्ब. 3x

खुराकः ड्रॉप्स - 10–15 ड्रॉप्स पानी में मिलाकर, 3 बार प्रतिदिन खाना खाने से पहले लें। गंभीर मामलों में शुरुआती खुराक 10 ड्रॉप्स 2 घंटे पर, एक दिन में 6 बार लें।

टेबलेट्स - 2 टेबलेट्स, 3 बार प्रतिदिन खाना खाने से पहले लें।

हृदवाहिनी शिकायतों के लिए उपलब्ध अन्य बी-ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स

#बी8 कैल्सीफिकेशन ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स

संकेतः सामान्य तौर पर धमनी–प्राचीर की कठोरता से जुड़े लक्षणों, वृद्धावस्था, चक्कर व कमज़ोर याददाश्त को ठीक करने में मदद करती है।

संघटनः ड्रॉप्स – आर्निका मोन. 3x, आर्सेनिकम आयोड. 8x, ऑरम. म्यूर. 3x, बेरियम म्यूर. 6x, कैल्केरिया आयोड. 3x, क्रेटेगस ऑक्सी. 3x, ग्लोनाइनम 12x, काली. आयोड. 3x, प्लम्बम मेट. 8x

टेबलेट्स – आर्निका मोन. 3x, आर्सेनिकम आयोड. 6x, ऑरम. म्यूर. 3x, बेरियम म्यूर. 6x, कैल्केरिया आयोड. 3x, क्रेटेगस ऑक्सी. 3x, ग्लोनाइनम 6x, काली आयोड. 3x, प्लम्बम मेट. 6x

खुराकः ड्रॉप्स –10–15 ड्रॉप्स पानी में घोलकर एक दिन में 2–3 बार लें।

टेबलेट्स – 2 टेबलेट्स, एक दिन में 3 बार लें।

#बी39 कार्डियोपलम्नरी ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स

संकेतः श्वासावरोध (ओप्रेशन), दम घुटने, धड़कन बढ़ने, स्नायु में परेशानी पैदा करने वाली खांसी और हृदय की कंठ शूल (एंजाइना) संबंधी स्थिति के लक्षणों से राहत देने में मदद करती है।

संघटनः ड्रॉप्स – ग्रिन्डेलिया रोबस्टा 3x, लैकेसिस 20x, नाजा ट्राइपुदिआन्स 20x

टेबलेट्स – ग्रिन्डेलिया रोबस्टा 3x, लैकेसिस 8x, नाजा ट्राइपुदिआन्स 8x

खुराकः ड्रॉप्स – 10–15 ड्रॉप्स थोड़े पानी में, 3 बार प्रतिदिन, खाना खाने से पहले लें। कम से कम 12–16 सप्ताह तक लेना जारी रखें। अटैक के समय खुराक प्रत्येक 2 घंटे पर दोहराई जाए, जब तक कि राहत न मिले।

टेबलेट्स – 2 टेबलेट्स, एक दिन में 3 बार, खाना खाने से पहले लें। 12–16 सप्ताह तक लेना जारी रखें। गंभीर अटैक होने पर खुराक प्रत्येक 2 घंटे पर दोहराएं।

www.buybakson.com

#बी50 स्टीम्युलेन्ट ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स

संकेतः धड़कन बढ़ने व श्वासकष्ट व परिवर्तित रक्तचाप के लक्षणों से राहत देकर, हृदय की मांसपेशियों को मज़बूत करने और संचार तेज़ करने में मदद करती है।

संघटनः ड्रॉप्स – क्रेटेगस ऑक्सी. 1x, लॉरोसिरॉसस 20x, ऑलिएन्डर 3x

टेबलेट्स – क्रेटेगस ऑक्सी. 1x, लॉरोसिरॉसस 3x, ऑलिएन्डर 3x

खुराकः ड्रॉप्स – 10–15 ड्रॉप्स थोड़े पानी में, 3 बार प्रतिदिन खाना खाने के पहले या बाद में लें। तीव्र मामलों में 10–15 ड्रॉप्स प्रत्येक 2 घंटे पर लें।

टेबलेट्स – 2 टेबलेट्स, एक दिन में 3 बार खाना खाने से पहले लें। तीव्र मामलों में खुराक प्रत्येक 2 घंटे पर लें।

#बी65 कार्डिएक एफिशिएंसि ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स

संकेतः धड़कन बढ़ने, कंठ शूल (एंजाइना), हृदय के अनुक्रम और संचार संबंधी विकार के बाद हृदय रोगों के लक्षणों में राहत देने में मदद करती है।

संघटनः ड्रॉप्स – कॉनवेलेरिया मेज. 3x, आइबेरिस अमारा. 3x, ऑलिएन्डर 3x, स्पाइजीलिया पैन्थ. 12x, केक्टस ग्रेन्ड. 2x

टेबलेट्स – कॉनवेलेरिया मेज. 3x, आइबेरिस अमारा. 3x, ऑलिएन्डर 3x, स्पार्टियम स्कोपेरियम 2x, सुम्बुल 2x

खुराकः ड्रॉप्स – 10–15 ड्रॉप्स पानी में और 3 बार प्रतिदिन खाना खाने से पहले लें। गंभीर मामलों में अपेक्षाकृत जल्दी दोहराएं।

टेबलेट्स – 2 टेबलेट्स, एक दिन में 3 बार खाना खाने से पहले लें। गंभीर मामलों में अपेक्षाकृत जल्दी दोहराएं।

#बी66 शॉक ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स

संकेतः तीव्र या दीर्घकालिक संचरण गड़बड़ियाँ जैसे बेहोशी (सिंकोप) के लक्षण– चक्कर आना, मितली, ठंडा पसीना आना, बेहोशी, धड़कन बढ़ना, बेचैनी व सांस फूलने से राहत देने में मदद करती है।

संघटनः ड्रॉप्स – एसिडम् फॉस. 6x, एमोनियम कार्ब. 4x, कार्बो वेज. 8x, टैबेकम 4x, वरैट्रम एल्ब. 4x

www.buybakson.com

टेबलेट्स - एसिडम् फॉस. 6x, एमोनियम कार्ब. 4x, कार्बो वेज. 6x, टैबेकम 4x, वरैट्रम एल्ब. 4x

खुराकः ड्रॉप्स - क्रॉनिक सर्कुलेटरी डिस्टर्बेंस (दीर्घकालिक संचरण गड़बड़ी) में 10–15 ड्रॉप्स पानी में 3 बार प्रतिदिन खाना खाने से पहले लें। तीव्र संचरण अटैक में, गंभीरता के अनुसार 1 घंटे से 2 घंटे पर दोहराएं। एक बार सुधार शुरू हो जाने पर खुराक कम बार दोहराएं।

टेबलेट्स - क्रॉनिक सर्कुलेटरी डिस्टर्बेंस (दीर्घकालिक संचरण गड़बड़ी) में 2 टेबलेट्स, एक दिन में 3 बार खाना खाने से पहले लें। तीव्र मामले में खुराक प्रत्येक 1–2 घंटे पर लें।

www.buybakson.com

#बी13 ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स (प्रोस्टेटाइटिस)

पुरःस्थग्रंथिक संबंधी रोग के विरुद्ध काम करती है

शिश्नग्रंथिशोथ (प्रोस्टेटाइटस), पौरुष–ग्रन्थि में संक्रमण या शोथ है जो कई नैदानिक लक्षणों जैसे मूत्र में अविलंब्यता, बारंबारता, मूत्रकृच्छता (डिसयुरिया), खराब मूत्र प्रवाह या मूत्रधारा शुरू करने की अक्षमता का संलक्षण है। इसके साथ–साथ स्खलन या लिंगोत्थान संबंधी दिक्कतें भी हो सकती है।

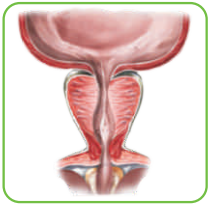

संकेतः तीव्र व दीर्घकालिक शिश्नग्रंथिशोथ (प्रोस्टेटाइटस) के साथ जुड़े लक्षणों से राहत देने में मदद करती है।

संघटनः ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स - चिमाफिला. अम्ब. 3x, क्लिमैटिस इरेक्टा 3x, कोनियम मैक्यु. 6x, परेरा ब्रावा 2x, थूजा ऑक. 3x, पल्साटिला नाइग. 3x, सबल सेर. 2x

खुराकः ड्रॉप्स - 10–15 ड्रॉप्स पानी में घोलकर और एक दिन में 3 बार ली जाएं।

टेबलेट्स - 2 टेबलेट्स, एक दिन में तीन बार लें।

बेहतर नतीजों के लिए #बी13 के साथ फॉर्मूला 'पी' गोलियाँ रोज़ाना 2 बार लें।

www.buybakson.com

»पुरुष यौन रोग संबंधी शिकायतें

#बी21 ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स (स्ट्रैन्थ)

पुरुषों की यौन सम्बंधी परेशानी के लिए

यौन कमज़ोरी के बारे में बात करने का मतलब भद्दापन या शर्म आने की बात नहीं है। यौन कमज़ोरी कोई शाप नहीं है जो किसी को मिल गया है बल्कि यह उपचार योग्य रोग है। समय से पहले स्खलन, लिंगोत्थान न होना (लिंगोत्थान जो उपयुक्त ढंग से प्रवेश करके संभोग करने के लिए पर्याप्त कठोर नहीं होता) यौन कमज़ोरी के कुछ परिणाम हैं।

संकेतः यौन दुर्बलता, स्नायु की थकान, अति उत्तेजना और सामान्य कमज़ोरी से जुड़े पुरुषों में वीर्यपात ठीक करने में मदद करती है।

संघटनः ड्रॉप्स - एसिडम् फॉस्फोरिकम 6x, एग्नस कैस्टस 4x, सिन्कोना ऑफ. 3x, कोनियम मैक. 3x, डैमियाना 3x, सीपिया 20x

टेबलेट्स - एसिडम् फॉस्फोरिकम 6x, एग्नस कैस्टस 4x, सिन्कोना ऑफ. 3x, कोनियम मैक. 3x, डैमियाना 3x, सीपिया 3x

खुराकः ड्रॉप्स - 15 ड्रॉप्स पानी में घोलकर एक दिन में 2–3 बार खाना खाने से पहले लें।

टेबलेट्स - 2 टेबलेट्स, एक दिन में 3 बार खाना खाने से पहले लें।

बेहतर नतीजों के लिए #बी21 के साथ सुपर टॉनिक रोज़ाना 2 बार लें।

www.buybakson.com

»महिलाओं की यौन रोग संबंधी शिकायतें

#बी15 ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स (फीमेल)

मासिक स्राव संबंधी चक्रों को नियमित करती है

कई बार महिलाओं को उनके मासिक चक्र में समस्याएं होती हैं जिसे मासिक स्राव संबंधी अनियमितता या मासिक स्राव समस्याएं कहते हैं। उन्हें या तो मासिक धर्म नहीं होता है, अनार्तव (अमेनोरिया), उन्हें जल्दी–जल्दी मासिक धर्म होता है, बहुआर्तव (पॉलीमेनोरिया), अप्रत्याशित मासिक स्राव संबंधी रक्तस्राव अत्यार्तव (मेनोरहेज़िया) होता है या उन्हें दर्दयुक्त मासिक धर्म कष्टार्तव (डिस्मेनोरिया) होता हैं।

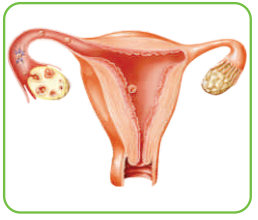

संकेतः रक्त निकलने और अचानक तेज़ गर्मी महसूस होने के बाद पसीने आने की वजह से थकान को कम करने के अलावा अनार्तव व कष्टार्तव सहित मासिक स्राव समस्याओं के लक्षणों से राहत देने में मदद करती है।

संघटनः ड्रॉप्स - एसिडम् सल्फ. 6x, ऐस्क्युलस हिप. 2x, क्रोकस सैट. 4x, फेरम फॉस. 8x, हैमामेलिस वर्जी. 4x, सिकेल कॉर 4x

टेबलेट्स - एसिडम् सल्फ. 6x, ऐस्क्युलस हिप. 2x, क्रोकस सैट. 4x, फेरम फॉस. 5x, हैमामेलिस वर्जी. 4x, सिकेल कॉर 4x

खुराकः ड्रॉप्स - 10–15 ड्रॉप्स पानी में घोलकर एक दिन में 3 बार लें।

टेबलेट्स - 2 टेबलेट्स, एक दिन में 3 बार लें।

www.buybakson.com

#बी3। ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स (मैनसिन)

मासिक स्राव संबंधी दर्द को कम करती है

कष्टार्तव (डिस्मेनोरिया) का मतलब दर्दयुक्त मासिक स्राव के संलक्षण से है। हालांकि, यह प्राणघातक नहीं होता, लेकिन कष्टार्तव कई महिलाओं के लिए कमज़ोरी पैदा करने वाला व मानसिक बोझ डालने वाला हो सकता है। जबकि ज़्यादातर महिलाओं को मासिक स्राव के समय हल्का दर्द महसूस होता है, कष्टार्तव का पता तब चलता है जब दर्द इतना तेज़ हो जाता है कि यह सामान्य गतिविधियों को सीमित कर देता है या इलाज की ज़रूरत होती है। कष्टार्तव से तीखे, स्पंदनशील, क्षीण, मितली लाने वाले, जलन पैदा करने वाले या फैलने वाले कई तरह के दर्द हो सकते हैं।

संकेतः प्रसव के दर्द कम करने के अलावा, कष्टार्तव के साथ अकड़न संबंधी दर्द से राहत देने में मदद करती है।

संघटनः ड्रॉप्स - कॉलोफाइलम 3x, कैमोमिला 6x, सिमिसिफ्यूगा रेस. 3x, क्यूप्रम एसिटिकम 4x, मैग्निशियम फॉस. 8x, वाइबरनम ओप्यूलस 2x

टेबलेट्स - कॉलोफाइलम 3x, कैमोमिला 6x, सिमिसिफ्यूगा रेस. 3x, क्यूप्रम एसिटिकम 4x, मैग्निशियम फॉस. 5x, वाइबरनम ओप्यूलस 2x

खुराकः ड्रॉप्स - तीव्र मामलों में 10 ड्रॉप्स पानी में घोलकर 2 घंटे पर, एक दिन में 6 बार लें। दीर्घकालिक मामलों में खुराक एक दिन में तीन बार लें।

टेबलेट्स - तीव्र मामलों में 2 टेबलेट्स प्रत्येक 2 घंटे पर या एक दिन में 6 बार लें। दीर्घकालिक मामलों में खुराक एक दिन में 3 बार लें।

www.buybakson.com

महिलाओं के यौन रोगों के लिए उपलब्ध अन्य बी-ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स

#बी7 क्लाईमैक्ट्रिक ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स

संकेतः तेज़ गर्मी, शारीरिक कमज़ोरी, मानसिक थकान, सिरदर्द और रजोनिवृत्ति (मीनोपॉज) से संबंधित अनियमित मासिक स्राव लक्षणों में राहत देने में मदद करती है।

संघटनः ड्रॉप्स - एसिडम् सल्फ. 6x, सिमिसिफ्युगा रेसि. 4x, सैंग्विनेरिया कै. 4x, सीपिया 20x

टेबलेट्स - एसिडम् सल्फ. 6x, सिमिसिफ्युगा रेसि. 4x, सैंग्विनेरिया कै. 4x, सीपिया 4x

खुराकः ड्रॉप्स - 10-15 ड्रॉप्स पानी में घोलकर एक दिन में 3-6 बार लें।

टेबलेट्स - 2 टेबलेट्स, एक दिन में 3 बार लें।

#बी53 हाइपोकॉन्ड्रिएकल ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स

संकेतः अति-उत्तेजनाशील और उन्मत्त महिलाओं में शोर, दम घुटना, वायुगोला, स्पंदनशीलता व गले के संकुचन की संवेदनशीलता को कम करने में मदद करती है।

संघटनः ड्रॉप्स - ऐसाफीटिडा 3x, ग्लोनाइनम 20x, इग्नेशिया अम. 3x, लैकेसिस 20x, वैलेरियाना ऑफ. 3x

टेबलेट्स - ऐसाफीटिडा 3x, ग्लोनाइनम 6x, इग्नेशिया अम. 3x, लैकेसिस 8x, वैलेरियाना ऑफ. 3x

खुराकः ड्रॉप्स - 10-15 ड्रॉप्स थोड़े पानी में 3 बार प्रतिदिन खाना खाने से पहले लें।

टेबलेट्स - 2 टेबलेट्स, एक दिन में 3 बार खाना खाने से पहले लें।

#बी55 फेम रह्यूमा ड्रॉप्स एंव टेबलेट्स

संकेतः स्त्री प्रजनन तंत्र के विकारों से जुड़े विभिन्न प्रकार के रिह्यूमेटिज़्म से राहत देने में मदद करती है।

संघटनः ड्रॉप्स - ऐसक्युलस हिप. 3x, सिमिसिफ्युगा रेसि. 3x, कोलोसिन्थिस 3x,

www.buybakson.com

नैट्रम म्यूर. 8x, फाइटोलाका डीकैन्ड्रा 3x, स्ट्रोनशियम कार्ब. 8x

टेबलेट्स - ऐसक्युलस हिप. 3x, सिमिसिफ्युगा रेसि. 3x, कोलोसिन्थिस 3x, नैट्रम म्यूर. 3x, फाइटोलाका डीकैन्ड्रा 3x, स्ट्रोनशियम कार्ब. 6x

खुराक: ड्रॉप्स - 10–15 ड्रॉप्स थोड़े पानी में 3–4 बार प्रतिदिन कम से कम 12–16 सप्ताह तक ली जाए। तीव्र दर्द में, खुराक प्रत्येक 2 घंटे पर दोहराएं।

टेबलेट्स - 2 टेबलेट्स, एक दिन में 3–4 बार कम से कम 12–16 सप्ताह तक ली जाए। तीव्र दर्द में प्रत्येक 2 घंटे पर एक दिन में 6 बार खुराक लें।

बैक्सन के विशेषज्ञता उत्पाद

- ए.सी.#7: हल्के कब्ज के लिए।
- ए.सी.#9: बाल झड़ने का प्रतिरोधक।
- एक्ने एड: मुंहासों, दागों और साफ रंग के लिए।
- अल्फाल्फा टॉनिक: एक सामान्य टॉनिक।
- अल्फाल्फा टॉनिक जिनसेंग के साथ: स्वास्थ्यवर्धक टॉनिक।
- अल्फावेना माल्ट: पूरे परिवार के लिए एक टॉनिक।
- अल्फावीना होम्यो ड्रिंक: स्वास्थ्यवर्धक पेय।
- ऐलर एड: एलर्जी वाले नासिका–प्रदाह (एलर्जिक राइनाइटिस) और नजला (साइनुसाइटिस) के लिए।
- ऐलर एड प्लस: श्वसन ऐलर्जी के लिए।
- आस्था एड: गला घरघराने (व्हीजिंग), खाँसी और दमा तथा श्वसननली–प्रदाह (ब्रांकाइटिस) के कारण सांस फूलने के लिए।
- आस्था एड ड्रॉप्स: सांस की समस्याओं के लिए।
- बैक्युनिल: वृक्क संबंधी समस्याओं के लिए।
- बी पी एड:उच्च रक्तचाप के लिए।
- बी पी एड प्लस: हाइपरटेंशन व हाइपरकोलेस्ट्रोलेमिया के लिए
- कैल्सी एड: होम्योपैथिक कैल्शियम संपूरक।
- कार्ड एड: हृदय संबंधी रोगों के लिए।
- कॉम एड: दुश्चिंता की स्थिति में राहत दे ।
- सिनेरारिया यूफ्रेसिया आई ड्रॉप्स: आंखों की संपूर्ण देखभाल के लिए।
- सिनेरारिया मारिटिमा आई ड्रॉप्स: मोतियाबिंद को रोकता है।
- डैंड्रफ एड: रूसी (डैंड्रफ) के लिए।
- डरमैटो एड: सोरियासिस के लिए।
- डायब एड: रक्त शर्करा के स्तर को बरकरार रखता है।
- डाइजी एड: जठरीय गड़बड़ियां होने पर पाचन में सहायता देने के लिए।
- यूफ्रेशिया आई ड्रॉप्स: नेत्र संबंधी सामान्य समस्याओं के लिए।
- फेम एड: महिलाओं के सुस्वास्थ्य के लिए टॉनिक।
- फेरम प्लस: आयरन का टॉनिक।
- फीवो एड: बुखार में राहत दे।
- फ्लू एड: बहती नाक, जुकाम, बुखार के लिए।
- गैस्ट्रो एड: अपच, अफारा, सीने की जलन और कब्ज के लिए।
- गो टॉक्स : तंबाकू और शराब की लत छुड़ाने के लिए।
- ग्राइप एड मित्रण: पाचन को आसान बनाता है
- ग्रो अप: बच्चों की सर्वांगीण वृद्धि के लिए।
- हेयर एड: बालों की देखभाल, रूसी (डैंड्रफ) और झड़ते बालों के लिए।
- हाइट एड: बच्चों की बढ़त में सहायक।
- होम्योविट: बढ़ते बच्चों और गर्भवती महिलाओं के लिए एक जिनसेंग स्वास्थ्यवर्द्धक टॉनिक।

- होम्योपैथिक फॉर्म्युला 'डी': खुजली (एक्ज़ेमा) व लाइकेन प्लेनस के लिए।
- होम्योपैथिक फॉर्म्युला 'पी': पुरःस्थ ग्रंथि (प्रोस्टेट ग्लैंड) की सामान्य कार्यप्रणाली के लिए।
- जैबोरैंडी एड: बालों की जड़ों को मज़बूती और बालों को पोषण देता है
- कॉफ एड: किसी भी तरह की खाँसी के लिए।
- कॉफ एड प्लस: खांसी से प्रभावी आराम दिलाए।
- लिव एड: यकृत संबंधी गड़बड़ियों के लिए।
- मेन्सो एड: महिलाओं की शारीरिक कार्यप्रणाली की गड़बड़ियों के लिए।
- मिग एड: सिरदर्द और अर्ध सिर–पीड़ा के लिए।
- मुलिन ऑयल: कान के दर्द, रुकावट और अन्य रोगों के लिए।
- नैज़ल एड: प्रभावी नैज़ल स्प्रे।
- ऑइल बाउची: सफेद दाग (ल्यूकोडर्मा) के लिये।
- पेलवी एड: श्वेतस्राव और अन्य संबंधित लक्षणों के लिए।
- पेंटाफॉस टैबलेट्स: स्वास्थ्यवर्द्धक टैबलेट्स।
- पेंटाफस लिक्विड: संपूर्ण शक्ति के लिए।
- पेरियो एड माउथवॉश: मुख की स्वच्छता के लिए।
- फाइटोलैका बेरी: मोटापे के लिए।
- प्रोस्टेट एड: स्वस्थ प्रोस्टेट के लिए।
- पिलगो: बवासीर (पाइल्स) और विदर (फिशर्स) के लिए।
- पिलगो प्लस: बवासीर (पाइल्स) और विदर (फिशर्स) के लिए।
- रह्यूम एड: हड्डियों, जोड़ों और मांसपेशियों की गड़बड़ियों के लिए।
- रह्यूम एड ऑयल: मालिष का तेल।
- रह्यूम एड प्लस: सक्रिय रखने के लिए।
- सरसा एड: स्वस्थ त्वचा के लिए।
- सेप्ट एड: लोकल रोगाणु रोधक स्प्रे।
- साइनस एड: साइनुसाइटिस में राहत दे।
- स्पॉन्डी एड: जोड़ों व पेशियों की जकड़न के लिए।
- सुपर टॉनिक: पुरुषों के लिए स्वास्थ्यवर्द्धक टॉनिक।
- टेंस एड: तनाव से राहत के लिए।
- थ्रोट एड: गले की सूजन और दर्द के लिए।
- टोन एड प्लस: पुनः ऊर्जादायी (रीवाइटिलाइज़र)।
- टॉन्सिल एड: गंभीर/दीर्घकालिक गलमूलशोथ (एक्यूट/क्रॉनिक टॉन्सिलाइटिस), बार–बार खाँसी और जुकाम होने के लिए।
- अर्टिका एड: पित्ती के लिए।
- वार्ट एड: अधिमांस (वार्ट्स), मस्से (कॉर्न्स) और उपकला ट्यूमरों (एपिथिलियल ट्यूमर्स) के लिए।
- वॅर्म–सी: कृमि से मुक्ति।
- वाई–लैक्स: कब्ज के लिए।

बैच फ्लावर रेमेडीज

- एग्रीमोनी
- एस्पेन
- बीच
- सेन्टौरी
- सिरैटो
- चेरी प्लम
- चेस्टनट बड
- चिकोरी
- क्लेमाटिस
- क्रैब एप्पल
- एल्म
- जेंटियन
- गोर्स
- हीदर
- हॉली
- हनीसकल
- हॉर्नबीम
- इम्पेशन्स
- लार्च
- मिमुलस
- मस्टर्ड
- ओक
- ऑलिव
- पाइन
- रेड चेस्टनट
- रॉक रोज
- रॉक वाटर
- स्क्लेरेन्थस
- स्टार ऑफ़ बेथलेहम
- स्वीट चेस्टनट
- वरवेन
- वाइन
- वॉलनट
- वाटर वायलेट
- वाइट चेस्टनट
- वाइल्ड ओट
- वाइल्ड रोज़
- विलो
- रेस्क्यू रेमेडी

केवल रजिस्टर्ड मेडिकल प्रैक्टिशनर या हॉस्पिटल या प्रयोगशाला के इस्तेमाल के लिए।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें

बैक्सन ड्रग्स एंड फार्मास्यूटिकल्स प्रा. लि.

जी.एम.पी व आईएसओ 9001:2015 प्रमाणित

यूनिट I: शिल्लू काला, परवानू, (हिमाचल प्रदेश) - 173220.
यूनिट II: प्लॉट नं. 6, सेक्टर-1, परवानू, जिला सोलन-173220 (हि.प्र.)
यूनिट III: गांव चौली शहाबुद्दीनपुर, परगना भगवानपुर, तहसील रूड़की - 247661 (उ.ख.)
ग्राहक सेवा: 18002572829 ई-मेल: customercare@buybakson.com